वर्ष : 35 | अंक : 22 | मुंबई, रविवार, 5 अप्रैल 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

मौत का कुआं

कुएं में कार गिरी, बच्चों समेत 9 लोगों की डूबने से मौत

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अमंगल शनिवार

महाराष्ट्र में तीन भीषण हादसों में 13 लोगों की मौत

नासिक हादसे पर क्या बोले सीएम फडणवीस?

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त

करते हुए इसे 'बेहद दुर्भाग्यपूर्ण' बताया है। उन्होंने कहा कि अगर कुएं की सुरक्षा दीवार ऊंची होती, तो शायद इस त्रासदी को टाला जा सकता था। मुख्यमंत्री ने राज्यभर के सार्वजनिक क्षेत्रों में स्थित खुले कुओं की तत्काल सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं।

प्रबंधकों पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | नासिक

जिले में एक कार के कुएं में गिरने से एक परिवार के छह बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 10 बजे डिंडोरी शहर के शिवाजी नगर इलाके में हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित परिवार एक बैंक्वेट हॉल में फंक्शन में शामिल होने के बाद घर जा रहे थे, तभी उनकी कार वेन्यू के पास एक कुएं में गिर गई। लोग मौके पर पहुंचे और आधी रात को दो क्रेन और तैराकों की मदद से कार और उसमें सवार लोगों को बाहर निकाला। पुलिस के अनुसार, मरने वालों की पहचान सुनील दत्तू दरगुडे (32), उनकी पत्नी रेशमा, एक अन्य महिला आशा अनिल दरगुडे (32) और परिवार के छह बच्चों (पांच लड़कियां और एक लड़का) के रूप में हुई है।

मालिक पर केस, मृतकों के परिजनों को 5 लाख की मदद

दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने कुएं के मालिक राजेंद्र राजे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

मंत्रियों ने किया घटनास्थल का दौरा

हादसे के बाद मंत्री गिरीश महाजन और मंत्री नरहरि झिरवाल ने घटनास्थल का दौरा किया। गिरीश महाजन ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गहरा शोक व्यक्त किया है और मृतकों के परिवारों के लिए आर्थिक मदद का ऐलान किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं और जिला प्रशासन को खतरनाक कुएं को तत्काल बंद करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई/ नासिक

महाराष्ट्र के लिए यह शनिवार 'अमंगल' साबित हुआ। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में हुए तीन भीषण सड़क हादसों ने 13 जिंदगियां लील लीं। इनमें सबसे हृदयविदारक घटना नासिक के डिंडोरी में हुई, जहां एक ही परिवार के 9 लोगों की जलसमाधि बन गई।

दूसरी घटना : विवाहित बेटी की मौत, दामाद गंभीर

मुंबई से माळशिरस की ओर जा रही एक कार के अनियंत्रित होकर नहर में गिर जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की दुखद मृत्यु हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, संभवतः चालक को नींद की झपकी आने के कारण कार पर से नियंत्रण खो गया और वाहन सीधे नीरा दाहिनी नहर में जा गिरा। इस हृदयविदारक घटना में हनुमंत जठार, उनकी पत्नी मंजुला जठार और उनकी विवाहित पुत्री प्रीती टिलेकर की डूबने से मौत हो गई। हादसे में कार चला रहा दामाद गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसका उपचार जारी है। शुक्रवार को हुई इस दुर्घटना के बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए नहर से कार बाहर निकाली और शवों को बरामद किया। इस हादसे ने प्रीती के दो मासूम बच्चों के सिर से माँ और नाना-नानी का साया छीन लिया है, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

तीसरी घटना : परशुराम घाट में आधी रात भीषण हादसा

मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित परशुराम घाट में शनिवार, 4 अप्रैल 2026 की मध्यरात्रि करीब 12:15 बजे एक रूह कंपा देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें नाशिक के एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और उसके तीन मित्र गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नाशिक के कांची निवासी प्रतिक संजय भंडारी (28) अपने दोस्तों के साथ महिंद्रा कार में सवार होकर गणपतिपुले पर्यटन के लिए जा रहा था, तभी घाट के चुनौतीपूर्ण मोड़ पर तेज रफ्तार के कारण वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के बाईं ओर जा पलटा। इस भीषण टक्कर में रोहित संतोष भालेकर (28, निवासी इंदिरानगर, नाशिक) ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि कृष्णा संपत आव्हाड (33), संदीप चंद्रभान डेरिंगे (36) और स्वयं चालक प्रतिक भंडारी गंभीर रूप से चोटिल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन ने घायलों को तत्काल चिपलूण के लाइफ केयर अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ उनका उपचार जारी है; इस दुखद घटना ने नाशिक में रहने वाले उनके परिजनों को झकझोर कर रख दिया है।

'भोंदू बाबा' के बाद एक और बड़ा सेक्स स्कैंडल

पुलिस को मिले 121 अश्लील वीडियो

डीबीडी संवाददाता | नासिक

नासिक से सामने आया कथित 'भोंदू बाबा' अशोक खरात का मामला अब देश के सबसे बड़े सेक्स और ब्लैकमेलिंग स्कैंडल्स में गिना जा रहा है। इस मामले के सामने आने का बाद से सियासी भूचाल मचा है। इसी बीच नाशिक से एक और सेक्स स्कैंडल का चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 121 अश्लील वीडियो मिलें हैं। दरअसल, सातपुर इलाके से सामने आए एक्सटॉर्शन केस ने चौंकाने वाला मोड़ ले लिया है। 2 अप्रैल को शिकायत दर्ज कराने वाला 63 वर्षीय सीनियर सिटिज़न अब खुद एक बड़े सेक्स स्कैंडल में आरोपी बन गया है। पीड़ित महिला की शिकायत पर आरोपी रवींद्र एरंडे के खिलाफ सेक्सुअल अब्यूज़, आईटी एक्ट और एट्रोसिटी एक्ट के तहत गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और मामले से पूरे शहर में हलचल मच गई है।

शिकायतकर्ता ही निकला मास्टरमाइंड

बताया गया कि आरोपी रवींद्र एरंडे ने 2 अप्रैल को चार लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगे जा रहे हैं। पुलिस ने जांच करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था। लेकिन आगे की जांच में मामला पूरी तरह पलट गया। सातपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज इस एक्सटॉर्शन केस की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों से मोबाइल, पेन ड्राइव और मेमोरी कार्ड जब्त किए। इन्हीं डिजिटल सबूतों की जांच के दौरान पुलिस को 121 अश्लील वीडियो क्लिप मिलीं, जिससे जांच की दिशा पूरी तरह बदल गई।

जांच में सामने आया बड़ा खुलासा

शुरुआती जांच में सामने आया कि एक्सटॉर्शन केस का शिकायतकर्ता रवींद्र एरंडे ही इन सभी वीडियो में अलग-अलग महिलाओं के साथ दिखाई दे रहा है। इस खुलासे के बाद पुलिस भी हैरान रह गई और मामले ने नया मोड़ ले लिया। इसी बीच एक महिला ने सातपुर पुलिस से संपर्क कर गंभीर आरोप लगाए। महिला के अनुसार आरोपी ने उसके बेटे को सरकारी नौकरी दिलाने और भविष्य उज्ज्वल बनाने का वादा कर उसका भरोसा जीता। महिला के अनुसूचित जाति से होने की जानकारी के बावजूद आरोपी ने उसका फायदा उठाया और उसे नाशिक तथा इगतपुरी के अलग-अलग होटलों में ले जाकर बार-बार यौन शोषण किया।

गंभीर धाराओं में केस दर्ज

महिला की शिकायत के आधार पर सातपुर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ BNS की धारा 69 और 77, आईटी एक्ट की धारा 67(A) तथा एट्रोसिटी एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने उसे दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है. डीसीपी किशोर काले ने बताया कि जांच के दौरान सामने आया है कि आरोपी ने कई महिलाओं के साथ यौन संबंध बनाए और उनके गुप्त वीडियो रिकॉर्ड किए. इस खुलासे के बाद एक बड़े सेक्स रैकेट या स्कैंडल की आशंका भी जताई जा रही है. पुलिस द्वारा जब्त किए गए डिजिटल सबूतों की विस्तृत जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि आने वाले समय में और भी चौंकाने वाली जानकारी सामने आ सकती है.

मुंबई पुलिस ने तोड़ा ड्रग्स का नेटवर्क

दो महीने में 158 केस, 202 आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में ड्रग्स के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साल 2026 के शुरुआती दो महीनों में मुंबई पुलिस ने नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर कड़ा प्रहार करते हुए व्यापक कार्रवाई की है। 1 जनवरी से 28 फरवरी 2026 के बीच चले अभियान में पुलिस ने कुल 158 मामले दर्ज किए और 202 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई शहर में सक्रिय ड्रग्स नेटवर्क के खिलाफ सख्त रुख को दर्शाती है। पुलिस के अनुसार, इस दौरान 106 किलोग्राम से अधिक नशीले पदार्थ बरामद किए गए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 30 करोड़ रुपए आंकी गई है।

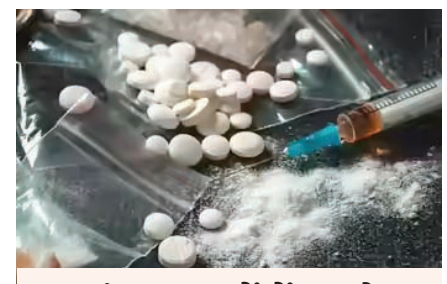

गांजा मामलों में सबसे ज्यादा कार्रवाई

ड्रग्स के अलग-अलग मामलों में गांजा तस्करी के खिलाफ सबसे ज्यादा कार्रवाई की गई। पुलिस ने 84 केस दर्ज कर 88 आरोपियों को गिरफ्तार किया और 92.77 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत करीब 3.83 करोड़ रुपए बताई गई है।

एमडी ड्रग्स में बड़ी जब्ती

सिंथेटिक ड्रग्स एमडी के मामलों में भी पुलिस ने बड़ा ऑपरेशन चलाया। 52 मामलों में 84 आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 9 किलोग्राम एमडी जब्त किया गया, जिसकी कीमत लगभग 18.84 करोड़ रुपए आंकी गई है।

ब्रीफ न्यूज़

अंडमान हेलीकॉप्टर हादसा : फ्लोटेशन सिस्टम सक्रिय न होने से दुर्घटना

नई दिल्ली। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के मायाबंदर के पास 24 फरवरी को समुद्र में पवन हंस हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) की शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, हेलीकाप्टर के आपातकालीन फ्लोटेशन सिस्टम को लैंडिंग के दौरान सक्रिय नहीं किया गया था।एएआइबी ने दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में सिफारिश की है कि विमानन सुरक्षा नियामक संस्था सभी वाणिज्यिक हेलीकाप्टर आपरेटरों के संचालन की मौके पर जांच करे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे इस आवश्यकता का अनुपालन कर रहे हैं।

गरीबों का हक मारने वाले बिल्डरों पर गिरेगी गाज

मुंबई। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने नाशिक के म्हाडा हाउसिंग प्रोजेक्ट में हुए बड़े घोटाले को लेकर भू-माफियाओं और बिल्डरों के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान कर दिया है। गरीबों के हक के घरों पर डाका डालने वालों को चेतावनी देते हुए उन्होंने इस मामले में ED जांच तक के संकेत दिए हैं। राजस्व मंत्री ने खुलासा किया कि नाशिक में गरीबों के लिए आरक्षित 20 प्रतिशत घरों को हड़पने के लिए एक संगठित गिरोह काम कर रहा है। इस गिरोह ने प्रभाव का इस्तेमाल कर एक ही दिन में जमीन के टुकड़े करने, रिकॉर्ड दर्ज कराने और नक्शे पास कराने जैसे काम जादुई रफ्तार से पूरे किए। बावनकुले ने साफ कहा कि गरीबों का खून चूसने वाले इन बिल्डरों को छोड़ा नहीं जाएगा। इस घोटाले की तह तक जाने के लिए एक विशेष जांच दल (SIT) बनाया गया है, जिसमें एक IPS और दो IAS अधिकारी शामिल हैं। यह टीम अगले 15 दिनों में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

जल संकट से निपटने की कवायद शुरू

- कुओं और बोरवेल का होगा ऑडिट
- रितु तावड़े ने दिए पुराने जल स्रोतों को जिंदा करने के निर्देश

धीरज सिंह | मुंबई

बढ़ती गर्मी और मुंबई में गहराते जल संकट को देखते हुए मुंबई की महापौर रितु तावड़े ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और सामाजिक पहल की है। 4 अप्रैल 2026 को मनपा के जल विभाग के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक में महापौर ने साफ कर दिया कि केवल बांधों के भरोसे रहने के बजाय अब मुंबई को अपने पुराने और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। महापौर ने निर्देश दिया है कि मुंबई के सभी सरकारी, सार्वजनिक और निजी कुओं का डेटा तुरंत अपडेट किया जाए। साल 2009 में जब कम बारिश हुई थी, तब बीएमसी ने इन्हीं कुओं की मरम्मत कर शहर की प्यास बुझाई थी। अब फिर से उन्हीं कुओं की सफाई और मरम्मत को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि उन्हें इस्तेमाल के लायक बनाया जा सके।

'घाटकोपर मॉडल' का उदाहरण

महापौर रितु तावड़े ने खुद के हाउसिंग कॉम्प्लेक्स (घाटकोपर) का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां बारिश के पानी को जमीन में रिचार्ज करने का सिस्टम है। वहां कुएं के पानी को फिल्टर करके सभी फ्लैटों में सप्लाई किया जाता है। उन्होंने मुंबई की अन्य प्राइवेट हाउसिंग सोसाइटियों से भी इस आत्मनिर्भर मॉडल को अपनाने की अपील की है। महापौर ने कहा कि पानी बचाना केवल सरकार का काम नहीं है। उन्होंने हाउसिंग सोसाइटियों और औद्योगिक क्षेत्रों से आग्रह किया है कि वे अपने इलाके में मौजूद बोरहोल और पाइपों का नियमित रखरखाव करें। साथ ही, ग्राउंडवाटर नियमों का पालन करते हुए एक तय सीमा के अंदर ही पानी निकालें ताकि भूजल स्तर बना रहे।

केवल सफाई नहीं, पीने के पानी के रूप में इस्तेमाल

आमतौर पर कुओं के पानी का उपयोग केवल बागवानी या साफ-सफाई के लिए किया जाता है। महापौर ने जल विशेषज्ञों को निर्देश दिया है कि इन कुओं के पानी की शुद्धता जाँची जाए। यदि पानी सुरक्षित पाया जाता है, तो उसे वॉटर प्यूरिफिकेशन सिस्टम लगाकर सीधे घरों की सप्लाई से जोड़ने की योजना बनाई जाए।

रेन वॉटर हार्वेस्टिंग

जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश की अनिश्चितता बढ़ गई है। इसे देखते हुए महापौर ने 'रेन वॉटर हार्वेस्टिंग' को अनिवार्य रूप से बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा कि अगर हम आज बारिश की एक-एक बूंद को जमीन के अंदर सहेजेंगे, तो भविष्य में पानी की कटौती (Water Cut) जैसी नौबत नहीं आएगी।

महिला आरक्षण 2029 से होगा लागू: पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में महिला आरक्षण को लेकर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका लाभ 2029 के आम चुनावों से ही मिलेगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे मतभेदों से ऊपर उठकर इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करें और महिलाओं के सशक्तिकरण में सकारात्मक भूमिका निभाएं। केरल के तिरुवल्ला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार इस कानून को समयबद्ध तरीके से लागू करने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा रही है।महिला आरक्षण पर प्रधानमंत्री के इस बयान सरकार की रणनीति अधिक स्पष्ट दिखने लगी है। लक्ष्य और प्रक्रिया तय करने के बाद अब राजनीतिक समर्थन जुटाने की कोशिश है।

ऑपरेशन एपिक फ्यूरी का आधिकारिक 'डेथ टोल' जारी

13 अमेरिकी सैनिकों की मौत, 365 घायल

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान हुए सैन्य नुकसान के आधिकारिक आंकड़े जारी कर दुनिया भर के रक्षा विशेषज्ञों को चौंका दिया है। अब तक केवल कयासों के आधार पर चल रही खबरों पर 'डिफेंस कैजुएल्टी एनालिसिस सिस्टम' की इस रिपोर्ट ने मुहर लगा दी है।28 फरवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति के सीधे आदेश पर शुरू हुए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' को लेकर अब तक रहस्य बना हुआ था। लेकिन पेंटागन ने पहली बार 'डिफेंस कैजुएल्टी एनालिसिस सिस्टम' में डेटा फीड करके यह सार्वजनिक कर दिया है कि इस संयुक्त सैन्य अभियान में अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों की जान जा चुकी है।

थलसेना को लगी सबसे ज्यादा चोट

इस ऑपरेशन में हताहत होने वालों की संख्या उम्मीद से कहीं अधिक है। कुल 365 सैनिक घायल हुए हैं। यह पहली बार है जब अमेरिकी रक्षा विभाग ने किसी जारी ऑपरेशन के बीच इतने विस्तार से चोटिल सैनिकों का विवरण साझा किया है। नुकसान का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि सबसे ज्यादा जोखिम थलसेना के जवानों ने उठाया। कुल घायलों में से 247 सैनिक अमेरिकी थलसेना से हैं।

क्या है डीसीएएस सिस्टम?

पेंटागन का 'डिफेंस कैजुएल्टी एनालिसिस सिस्टम' एक बेहद विश्वसनीय डिजिटल डेटाबेस है। इसमें केवल उन्हीं मौतों और चोटों को दर्ज किया जाता है जिनकी पूरी तरह से पुष्टि हो चुकी होती है। आंकड़ों के आने के बाद अब इस सैन्य अभियान की तीव्रता और जोखिम का अंदाज़ा लगाया जा रहा है। यह ऑपरेशन सीधे व्हाइट हाउस के निर्देशों पर शुरू किया गया था, जो इसकी रणनीतिक अहमियत को दर्शाता है। हालांकि, पेंटागन ने अभी स्पष्ट नहीं किया है कि ये सैनिक किस मोर्चे पर और किन परिस्थितियों में हताहत हुए, लेकिन डेटा सार्वजनिक करना एक बड़ी प्रशासनिक पारदर्शिता माना जा रहा है।

केरल चुनाव | कांग्रेस के 85% प्रत्याशी दागी, 60 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज

दागियों का बोलबाला, हर तीसरा उम्मीदवार आपराधिक रिकॉर्ड वाला

एजेंसी | कोच्चि

केरल विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राज्य की 140 विधानसभा सीटों के लिए 9 अप्रैल को मतदान होना है। इसे लेकर उम्मीदवारों के नामांकन भरने के बाद इसकी जांच प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है और अब अधिकतर प्रत्याशी जीत के लिए मैदान में जोर-शोर से उतरे हैं। इस बीच केरल चुनाव में इस बार खड़े होने वाले उम्मीदवारों के राजनीतिक जीवन की कुंडली यानी उनके एफिडेविट के आधार पर एक विश्लेषण सामने आया है।

केरल चुनाव में इस बार कितने दागी?

केरल विधानसभा चुनाव 2026 में विश्लेषित 863 उम्मीदवारों में से 324 यानी करीब 38% उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 2021 के चुनावों में भी 38% उम्मीदवारों 928 में से 355 ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। यानी आपराधिक केस वाले प्रत्याशियों का अनुपात बराबर है। गंभीर आपराधिक मामलों वाले उम्मीदवार बढ़े हैं।

दागियों के पार्टीवार आंकड़े क्या?

इस बार के चुनाव में सबसे ज्यादा दागी उम्मीदवार यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की तरफ से हैं। पार्टी के 85 में से 72 उम्मीदवार यानी करीब 85 प्रतिशत ने आपराधिक केस दर्शाए हैं, जबकि 60 उम्मीदवारों (71%) पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दूसरी तरफ लेफ्ट की सबसे बड़ी पार्टी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के 77 में से 51 यानी 66% उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले और 21 प्रत्याशियों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं।

इस बार केरल में कितने उम्मीदवार?

केरल विधानसभा चुनाव 2026 में कुल 883 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें राष्ट्रीय दलों से कुल 375 उम्मीदवार मैदान में हैं। राज्य स्तरीय दलों से 81 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों से 145 उम्मीदवार हैं। वहीं, निर्दलीय के रूप में 282 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें से करीब 20 उम्मीदवारों की जानकारी उनके हलफनामे में सामने आई कुछ विसंगतियों के कारण नहीं ली गई है। जिन 863 उम्मीदवारों का विश्लेषण किया गया।

रिक्शा परमिट घोटाले की जांच के आदेश

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक सख्त, 1 मई तक रिपोर्ट देने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा-भाईंदर क्षेत्र में रिक्शा परमिट और बैच वितरण में कथित अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लिया है। विधायक नरेंद्र मेहता द्वारा उठाए गए मुद्दे के बाद सरकार हरकत में आई है और पूरे मामले की पुनः जांच के आदेश दिए गए हैं।

1 मई तक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश

मंत्री सरनाईक ने संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा है कि मीरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्र में जारी सभी रिक्शा परमिट और बैच की जांच कर 1 मई तक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इस आदेश के बाद प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। इस मुद्दे को लेकर वांद्रे स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में राज्य के सभी परिवहन अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वयं परिवहन मंत्री ने की, जिसमें पूरे राज्य में परमिट प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

ऑनलाइन प्रक्रिया के बावजूद फर्जीवाड़ा

बैठक में यह बात सामने आई कि परमिट वितरण की प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बावजूद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर परमिट जारी किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। इससे सिस्टम की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं।

विदेशी नागरिकों को परमिट मिलने का आरोप

विधायक नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाया है कि कुछ विदेशी नागरिकों ने स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से निवासी प्रमाणपत्र बनवाकर रिक्शा और टैक्सी परमिट हासिल किए हैं। यह मामला प्रशासन के लिए गंभीर चुनौती बन गया है।

बिजली बिल में भी गड़बड़ी उजागर

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि डाचकुलपाडा और मांडवीपाडा क्षेत्रों के पते के लिए अदानी कंपनी के बिजली बिल प्रस्तुत किए गए, जबकि इन इलाकों में टाटा पावर द्वारा बिजली आपूर्ति की जाती है। इससे फर्जी दस्तावेजों के इस्तेमाल की आशंका और मजबूत हुई है। सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जारी सभी परमिटों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। एक महीने तक चलने वाले इस विशेष कैंप में दस्तावेजों की बारीकी से जांच की जाएगी और यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि परमिट धारकों को मराठी भाषा का ज्ञान है या नहीं। मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट किया कि गलत तरीके से परमिट देने वाले अधिकारियों पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि फर्जी परमिट के कारण शहर की सुरक्षा को खतरा हो सकता है, इसलिए जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसटी बस से टक्कर में दो युवकों की मौत, एक गंभीर

डीबीडी संवाददाता | पालघर

जिले के बोईसर के पास शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार यह दुर्घटना बोईसर-ऐना मार्ग पर शिगांव के पास खानिवडे मोड़ पर हुई। ऐना से बोईसर की ओर जा रही महाराष्ट्र राज्य परिवहन (एसटी) बस को ओवरटेक करने के दौरान बाइक चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे बाइक फिसलकर बस के पिछले पहिए के नीचे आ गई।

एक ही इलाके के थे तीनों युवक

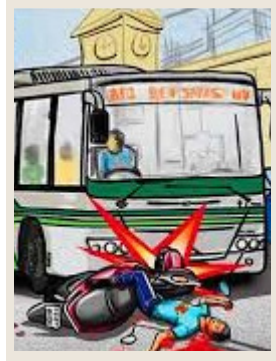

पुलिस ने बताया कि तीनों युवक शिगांव के रामपाडा क्षेत्र के निवासी थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों में मातम पसर गया। सूचना मिलते ही बोईसर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए तारापुर के ग्रामीण अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने एसटी बस चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि आगे ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान संतुलन बिगड़ना हादसे का मुख्य कारण रहा।

दो की मौके पर मौत

इस भीषण हादसे में शरद घाटाळ (30) और अनिकेत कामडी (18) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में तीसरा युवक विराज कामडी गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसे तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

हर माह का दूसरा सोमवार अब महापौर दिवस

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मनपा में सत्ताधारी बीजेपी ने एमबीएमसी मुख्यालय में हर महीने के दूसरे सोमवार को 'महापौर दिवस' मनाने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत नागरिक अपनी शिकायतें सीधे महापौर और प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे। जलापूर्ति, स्वच्छता, सड़क, अतिक्रमण, संपत्ति कर तथा अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निपटारा किया जाएगा।

सीधे महापौर और अधिकारियों से संवाद

'महापौर दिवस' के दौरान महापौर के साथ एमबीएमसी आयुक्त और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। वे नागरिकों की शिकायतें सुनकर तत्काल कार्रवाई के निर्देश देंगे। इससे लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और शिकायत निवारण प्रक्रिया में पारदर्शिता व तेजी आएगी। साथ ही प्रशासन और नागरिकों के बीच संवाद भी मजबूत होगा।

मिलकर बनाएं आदर्श शहर: महापौर

महापौर डिंपल मेहता ने कहा कि सभी नागरिकों के सहयोग से शहर को पूरे राज्य में एक आदर्श शहर बनाना लक्ष्य है। इसी उद्देश्य से 'महापौर दिवस' पहल शुरू की गई है, ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि यह अभियान नागरिकों और प्रशासन के बीच एक मजबूत पुल का काम करेगा।

मुंबई–लातूर सफर अब 5 घंटे में, जनकल्याण महामार्ग को मिली गति

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) ने मुंबई और ठाणे से लातूर तक की यात्रा को महज 5 घंटे में पूरा करने के उद्देश्य से कल्याण–लातूर जनकल्याण महामार्ग परियोजना को गति दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का संरेखन तैयार कर लिया गया है, जिसके अनुसार यह महामार्ग करीब 450 किलोमीटर लंबा होगा। अगले 8–10 दिनों में इस संरेखन प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए राज्य सरकार को भेजा जाएगा। फिलहाल मुंबई और ठाणे से लातूर पहुंचने में करीब 12 घंटे लगते हैं, जहां यात्रियों को पुणे–सोलापुर या बार्शी मार्ग का सहारा लेना पड़ता है। इस दूरी और समय को कम करने के लिए एमएसआरडीसी ने अपने व्यापक सड़क विकास प्रकल्प के तहत इस महामार्ग की योजना बनाई थी। कई वर्षों तक कागजों में अटकी यह परियोजना अब वास्तविकता की ओर बढ़ रही है और राज्य सरकार से भी इसे मंजूरी मिल चुकी है। महामार्ग के मार्ग को लेकर बीड और धाराशीव जिलों के बीच विवाद उत्पन्न हुआ था। धाराशीव को जोड़ने की मांग के साथ ही बीड को बाहर रखने पर विरोध हुआ, जबकि बीड के नागरिकों ने अपने जिले से मार्ग निकालने की मांग की। इस स्थिति में एमएसआरडीसी ने संतुलित समाधान निकालते हुए दोनों जिलों को इंटरचेंज मार्ग के जरिए महामार्ग से जोड़ने का निर्णय लिया है।

10 आपराधिक मामलों का आरोपी गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

मध्यवर्ती पुलिस ने कई आपराधिक मामलों में वांछित एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर बड़ा खुलासा किया है। आरोपी गाड़ी खराब होने की स्थिति का फायदा उठाकर लोगों को लूटता था। सतर्क पेट्रोलिंग और कुशल जांच के चलते पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसकी गिरफ्तारी से 10 मामलों का पर्दाफाश हुआ है और बड़ी मात्रा में चोरी का माल जब्त किया गया है।

गाड़ी खराब होने का बनाता था बहाना

जानकारी के अनुसार, मध्यवर्ती पुलिस ने उल्हासनगर में गाड़ी के बोनट पर रखे कीमती सामान चुराने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। जांच की शुरुआत बदलापुर वेस्ट के बेलावली निवासी जयराम ओटे के साथ हुई ठगी के बाद हुई। ओटे जब कल्याण–अंबरनाथ हाईवे के सेक्शन–17 पर गाड़ी की जांच कर रहे थे, तभी बोनट से धुआं निकलने की स्थिति में आरोपी ने मोबाइल फोन, दस्तावेज और नकदी चुरा ली।

पेट्रोलिंग के दौरान दबोचा गया आरोपी

जोन–4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में गठित टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान संजू वाघरी नामक संदिग्ध को हिरासत में लिया। जांच में उसके पास से तीन मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन और नकदी बरामद की गई। जांच में सामने आया कि आरोपी मध्यवर्ती और विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन क्षेत्र में दर्ज चार मामलों के साथ-साथ जोन–3 में हुई छह घरफोड़ियों में भी शामिल था।

मतदाता सूची 'मैपिंग' प्रक्रिया शुरू

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार राज्य में प्रस्तावित 'विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम' (SIR) की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में ठाणे जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मौजूदा मतदाता सूची का वर्ष 2002 की सूची से 'मैपिंग' किया जा रहा है, ताकि रिकॉर्ड को अधिक सटीक और अद्यतन बनाया जा सके।

आयुक्त अनमोल सागर की अपील

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका के आयुक्त अनमोल सागर (भाप्रसे) ने 136-भिवंडी (पश्चिम) और 137-भिवंडी (पूर्व) विधानसभा क्षेत्रों के नागरिकों से इस प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने बताया कि जिन मतदाताओं का नाम वर्ष 2002 की सूची में पहले से दर्ज है, वे सीधे मिलान कर सकते हैं, जबकि नए मतदाता अपने माता-पिता या दादा-दादी के नाम के आधार पर अपनी जानकारी को लिंक कर सकते हैं।

ऑनलाइन सुविधा और संपर्क के निर्देश

इस प्रक्रिया के लिए वर्ष 2002 की मतदाता सूची में दर्ज भाग क्रमांक (पार्ट नंबर) और क्रमांक (सीरियल नंबर) आवश्यक होगा, जो निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है। आयुक्त ने नागरिकों से कहा है कि वे ऑनलाइन विवरण निकालकर अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क करें और मैपिंग की पुष्टि करें। जरूरत पड़ने पर संबंधित कार्यालयों से भी सहायता ली जा सकती है, ताकि प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

सीबीएसई स्कूल के खिलाफ अभिभावकों का प्रदर्शन

फीस वृद्धि और मनमानी के खिलाफ विरोध

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

शहर के राबोडी इलाके स्थित सरस्वती स्कूल के खिलाफ अभिभावकों का गुस्सा सामने आया है। फीस में भारी बढ़ोतरी, डिजिटलाइजेशन के नाम पर अतिरिक्त शुल्क और स्कूल सामग्री की खरीद में कथित एकाधिकार को लेकर अभिभावकों ने विधायक संजय केलकर से मुलाकात कर अपनी शिकायत दर्ज कराई।

विधायक ने दिया समाधान का भरोसा

विधायक संजय केलकर ने कहा कि ठाणे के कई CBSE स्कूलों में अभिभावकों को ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे इस मामले में शिक्षा अधिकारी और स्कूल ट्रस्टियों से बातचीत करेंगे। यदि आवश्यक हुआ तो शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर अभिभावकों के हित में समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

20 से 40 प्रतिशत तक फीस बढ़ोतरी का आरोप

अभिभावकों के अनुसार, स्कूल प्रबंधन ने बिना पूर्व सूचना के शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए फीस में 20 से 40 प्रतिशत तक वृद्धि कर दी है। क्लास 1 की फीस 48 हजार रुपये से बढ़ाकर 65 हजार रुपये कर दी गई है। स्कूल का कहना है कि राज्य बोर्ड से CBSE बोर्ड में बदलाव के कारण यह बढ़ोतरी की गई है, लेकिन अभिभावकों का आरोप है कि इस फैसले में उन्हें भरोसे में नहीं लिया गया।

डिजिटल फीस और सामान खरीद पर भी सवाल

अभिभावकों ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल हर साल छात्रों को 3 से 4 हजार रुपये की किताबें स्कूल से ही खरीदने के लिए बाध्य करता है, जबकि यूनिफॉर्म भी केवल दो निर्धारित विक्रेताओं से ही खरीदने की अनुमति है। इसके अलावा डिजिटलाइजेशन के नाम पर अतिरिक्त शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है।

शिक्षा विभाग की अपील: मान्यता प्राप्त स्कूलों में ही कराएं दाखिला

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे जिला परिषद के शिक्षा विभाग ने नए शैक्षणिक सत्र के शुरू होने से पहले अभिभावकों के लिए एक रेड अलर्ट जारी किया है। जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बिना सरकारी मंजूरी के चल रहे 27 अनधिकृत स्कूलों के खिलाफ प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। देखा गया है कि कई निजी संस्थान बिना सरकारी एनओसी (NOC) के CBSE, ICSE, IB और State Board के नाम पर बड़े-बड़े विज्ञापन दे रहे हैं। ये स्कूल दिखने में हाई-टेक हो सकते हैं, लेकिन कानूनी रूप से इनके पास छात्रों को पढ़ाने या परीक्षा में बैठाने का अधिकार नहीं है।

27 स्कूलों की ब्लैकलिस्ट जारी

ठाणे जिला परिषद ने स्पष्ट किया है कि जिले में 27 स्कूल बिना किसी वैध अनुमति के चल रहे हैं। शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों की सूची सार्वजनिक की है ताकि अभिभावक अनजाने में भी यहाँ अपने बच्चों का दाखिला न कराएं। अगर इन स्कूलों में पढ़ने से बच्चे का साल बर्बाद होता है, तो इसकी जिम्मेदारी पूरी तरह अभिभावकों की होगी। 'मुफ़्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE), 2009' के तहत किसी भी स्कूल को बिना मान्यता के चलाना अपराध है। जिला प्रशासन ने ऐसे स्कूलों पर भारी जुर्माना (पेनल्टी) लगाने और संचालकों के खिलाफ आपराधिक मामला (FIR) दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। जिला परिषद का शिक्षा विभाग अब इन 27 स्कूलों को बंद कराने के लिए जमीनी स्तर पर मुहिम शुरू कर रहा है। प्रशासन का लक्ष्य है कि ठाणे जिले के अधिकार क्षेत्र में एक भी अनधिकृत स्कूल न बचने पाए, ताकि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों की गाढ़ी कमाई और बच्चों का कीमती समय बर्बाद न हो।

क्या 7 को दौड़ेगी शहर में मेट्रो?

उद्घाटन को लेकर संशय

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

दहिसर–मीरा भाईंदर मेट्रो मार्गिका-9 के पहले चरण का काम लगभग पूरा बताया जा रहा है। इसे लेकर मीरा भाईंदर के नागरिकों में उत्साह है, लेकिन दो दिग्गज नेताओं के बीच श्रेय लेने की होड़ से लोगों को खास मतलब नहीं है। पहले इस परियोजना का उद्घाटन 3 अप्रैल को तय था, जिसे बाद में बढ़ाकर 6 अप्रैल किया गया। हालांकि तैयारियों में असमंजस के चलते कार्यक्रम फिर आगे खिसक गया। अब परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के अनुसार, उद्घाटन 7 अप्रैल को सुबह 11 बजे होना प्रस्तावित है।

सीढ़ी के नीचे

पास को लेकर विभागों में खींचतान

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पत्रकारों के पास जारी करने को लेकर एमएमआरडीए और एमबीवीवी पुलिस के बीच भ्रम की स्थिति रही। एमएमआरडीए ने पास जारी करने की जिम्मेदारी पुलिस पर डाली, जबकि पुलिस ने इसे एमएमआरडीए का कार्यक्रम बताते हुए जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। इस खींचतान के बीच 6 अप्रैल को उद्घाटन संभव नहीं माना जा रहा था, जिसके बाद तारीख 7 अप्रैल तय की गई।

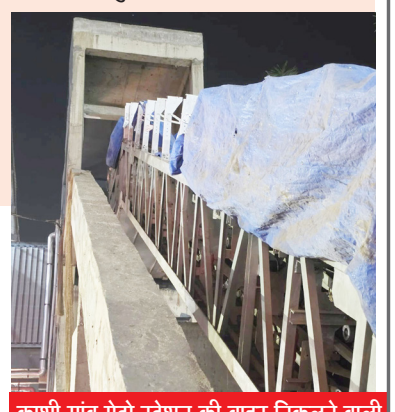

काशी गांव मेट्रो स्टेशन की बाहर निकलने वाली पीछे की दूसरी सीढ़ी

अधूरे काम पर उठे सवाल

परियोजना को लेकर अब भी कई सवाल खड़े हो रहे हैं कि काशीगांव मेट्रो स्टेशन की सीढ़ियों का काम अभी जारी है, साथ ही विवादित 'बॉटल नेक' की समस्या भी बनी हुई है। एमएमआरडीए की ओर से अभी तक आधिकारिक निमंत्रण पत्र जारी नहीं किए गए हैं। ऐसे में अधूरे कार्य को पूरा करने के बजाय उद्घाटन पर जोर दिया जाना सवालों के घेरे में है।

डीजल की बिक्री पर रोक में ढील

जिलाधिकारी ने पाबंदियां हटाईं, सप्लाई हुई नॉर्मल

जमाखोरों पर 'जरूरी वस्तु अधिनियम' के तहत होगी कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

जिले के निवासियों और ट्रांसपोर्टरों के लिए राहत भरी खबर है। पिछले कुछ दिनों से डीजल की किल्लत की अफवाहों के चलते प्रशासन ने जो पाबंदियां लगाई थीं, अब उनमें ढील दे दी गई है। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने स्पष्ट किया है कि जिले में ईंधन की आपूर्ति अब सामान्य हो गई है।

लिमिट और रिकॉर्ड पर नजर

भले ही रोक हट गई है, लेकिन प्रशासन अभी भी सतर्क है। पंप मालिकों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कोई भी कंपनी या व्यक्ति जरूरत से ज्यादा डीजल न उठाए। साथ ही, गाड़ियों के अलावा अन्य कामों के लिए ले जाए जा रहे डीजल का पूरा रिकॉर्ड अपडेट रखना अनिवार्य कर दिया गया है।प्रशासन ने साफ कर दिया है कि अगर कोई अवैध तरीके से डीजल जमा करता पाया गया, तो उस पर 'जरूरी वस्तु अधिनियम 1955' के तहत कार्रवाई होगी। इसके अलावा, नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ 'पेट्रोलियम नियम 2002', 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023' और 'आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005' के तहत कड़ी कानूनी और आपराधिक कार्रवाई की जाएगी। यह संशोधित आदेश तत्काल प्रभाव से पूरे ठाणे जिले में लागू हो गया है।

अब क्या बदला है?

जिलाधिकारी के नए आदेश के अनुसार, जिले में डीजल की सप्लाई और डिस्ट्रीब्यूशन अब पटरी पर आ गया है। इसलिए, पंप मालिकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पहले की तरह (सामान्य रूप से) डीजल का वितरण शुरू करें। अब ग्राहकों को अपनी गाड़ियों के लिए डीजल लेने में कोई तकनीकी अड़चन नहीं आएगी।

क्यों लगी थी रोक?

सोशल मीडिया पर डीजल की भारी कमी की खबरें तेजी से फैली थीं, जिसके बाद पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गई थीं। कानून-व्यवस्था न बिगड़े और ईंधन की कालाबाजारी न हो, इसके लिए जिलाधिकारी कार्यालय ने 27 मार्च 2026 को डीजल की बिक्री पर कुछ सीमाएं तय कर दी थीं।

नाला सफाई में ढिलाई पड़ी तो नपेंगे इंजीनियर और ठेकेदार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अभिजीत बांगर ने दिए 31 मई तक काम पूरा करने के सख्त निर्देश

नालों की सफाई और मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर बीएमसी (BMC) के कड़े रुख को देखते हुए, अतिरिक्त आयुक्त अभिजीत बांगर ने एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक चेतावनी और कार्ययोजना जारी की है। 4 अप्रैल 2026 को मीठी नदी और पूर्वी उपनगरों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि लापरवाही बरतने वालों के लिए प्रशासन में कोई जगह नहीं है।

अतिरिक्त आयुक्त ने निर्देश दिया है कि जब ठेकेदार नाला सफाई कर रहा हो, तब संबंधित इंजीनियर का वहां मौजूद रहना अनिवार्य है। केवल कागजों पर रिपोर्ट नहीं चलेगी; काम की गुणवत्ता, निरंतरता और पारदर्शिता की सीधी जिम्मेदारी इंजीनियर और ठेकेदार दोनों की

होगी। लापरवाही मिली तो दोनों पर सख्त कार्रवाई होगी।

मीठी नदी और बीकेसी का क्लीन-अप ऑपरेशन

मीठी नदी की पूरी लंबाई में गाद (सिल्ट) हटाने के लिए सूक्ष्म प्लानिंग की गई है। खासकर बीकेसी इलाके में एमएमआरडीए ऑफिस के पास, जहाँ नदी का तल चौड़ा है, वहां किसी भी अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अगर कोई अतिक्रमण पाया गया, तो तुरंत कानूनी कार्रवाई कर उसे हटाया जाएगा। पारदर्शिता के लिए बीएमसी ने डिजिटल तकनीक का सहारा लिया है। नाला सफाई कब शुरू हुई और कब खत्म होगी, इसकी पूरी जानकारी बीएमसी डैशबोर्ड पर जनता के लिए उपलब्ध होगी। साथ ही, नालों का कचरा समुद्र में जाकर उसे प्रदूषित न करे, इसके लिए जगह-जगह 'ट्रैश बूम सिस्टम' (तैरता हुआ कचरा रोकने वाला जाल) लगाया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों के साथ तालमेल

प्रशासन ने अधिकारियों को हिदायत दी है कि वे स्थानीय नगरसेवकों और जनप्रतिनिधियों के सुझावों को गंभीरता से लें। चूंकि स्थानीय प्रतिनिधि अपने इलाके के जलजमाव वाले हॉटस्पॉट्स को बेहतर जानते हैं, इसलिए उनके साथ समन्वय बिठाकर काम करने से बारिश में पानी रुकने की समस्या कम होगी।

57 दिनों का काउंटडाउन

बीएमसी ने 12 मार्च से काम शुरू कर दिया है और 31 मई की अंतिम समय सीमा तय की है। अगले 57 दिनों के भीतर सभी छोटे-बड़े नालों से गाद निकालना अनिवार्य है। काम की दैनिक रिपोर्ट कंप्यूटर सिस्टम में अपडेट की जाएगी ताकि ऊपरी स्तर पर इसकी निगरानी हो सके।

अनावश्यक गर्भाशय सर्जरी पर सख्ती

महाराष्ट्र में राज्यस्तरीय समिति सक्रिय

डीबीडी संवाददाता । पुणे/मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने महिलाओं में बढ़ रही अनावश्यक गर्भाशय सर्जरी (हिस्टेरेक्टॉमी) पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए हैं। इसी क्रम में पुनर्गठित राज्यस्तरीय समिति की पहली बैठक पुणे के विधान भवन में आयोजित की गई, जिसमें इस गंभीर मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई। विधान परिषद की उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में गन्ना कटाई मजदूर महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े अहम मुद्दों को प्राथमिकता दी गई। बैठक में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने समस्या के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। समिति के कार्य को प्रभावी बनाने के लिए जल्द ही जिला स्तरीय समितियों के गठन और उनके कार्यक्षेत्र को तय किया जाएगा। ये समितियां पिछले तीन वर्षों में हुई गर्भाशय सर्जरी की जांच करेंगी और यह सुनिश्चित करेंगी कि कहीं निजी अस्पतालों द्वारा अनावश्यक ऑपरेशन तो नहीं किए गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि गन्ना कटाई में लगी महिला मजदूरों के बीच स्वास्थ्य संबंधी व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही उन्हें केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया।

विभागों के साथ होगी संयुक्त बैठक

डॉ. गोर्हे ने बताया कि जल्द ही सहकार, सार्वजनिक स्वास्थ्य, ग्राम विकास और विधि एवं न्याय विभाग के साथ संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी, ताकि इस मुद्दे पर समन्वित रणनीति बनाई जा सके।

मुफ्त सैनिटरी नैपकिन और बच्चों पर फोकस

महिला मजदूरों को मुफ्त सैनिटरी नैपकिन उपलब्ध कराने और उनके साथ आने वाले करीब 5,000 बच्चों की शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की गई। सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाने की तैयारी में है। बीड जिला परिषद द्वारा शुरू किए गए 'मिशन साथी' उपक्रम को बैठक में सराहा गया। इस पहल के तहत 770 'आरोग्य साथी' नियुक्त किए गए हैं, जिनमें से 446 का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है। इसे अन्य जिलों में भी लागू करने की सिफारिश की गई।

पत्नी पर पति ने लगाया मारपीट और चाकू से हमले का आरोप

मुंबई। मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में घरेलू विवाद का एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक पति ने अपनी पत्नी पर शराब के नशे में मारपीट और चाकू से हमला करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला जोगेश्वरी स्थित सहकार रोड के यादव नगर इलाके का है। पीड़ित मोहम्मद रफीक अब्दुल कुरेशी (39) ने अंबोली पुलिस स्टेशन में अपनी पत्नी सबा कुरेशी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। एफआईआर के अनुसार, 31 मार्च 2026 की रात करीब 10 बजे जब रफीक घर पहुंचे, तो उनकी पत्नी शराब के नशे में थी। इसी दौरान विवाद बढ़ने पर पत्नी ने रसोई में इस्तेमाल होने वाले चाकू से उन पर हमला कर दिया। पीड़ित के मुताबिक, पत्नी के रोज शराब पीकर आने को लेकर सवाल उठाने पर दोनों के बीच बहस शुरू हुई। आरोप है कि गाली-गलौज के बाद पत्नी ने उन्हें घर से बाहर निकलने को कहा और फिर हमला कर दिया।

हमले में पति घायल

इस हमले में रफीक के दाहिने पैर के टखने और बाएं हाथ पर गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उन्हें तत्काल जोगेश्वरी पूर्व के ट्रॉमा केयर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज किया गया। पीड़ित के अनुसार, इससे पहले भी वह कई बार पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज करा चुका है। यह मामला घरेलू हिंसा के लगातार बढ़ते स्वरूप को दर्शाता है। बताया जा रहा है कि इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पत्नी को पति पर चाकू से हमला करते हुए देखा जा सकता है। हालांकि पुलिस ने वीडियो की सत्यता की जांच शुरू कर दी है। अंबोली पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे की कार्रवाई की जाएगी।

22 जून 2017 के बाद भर्ती शिक्षकों की होगी जांच

अनियमितता पाए जाने पर रुकेगा वेतन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के शिक्षा विभाग ने निजी अनुदानित स्कूलों में शिक्षक भर्ती को लेकर एक बड़ा 'शुद्धिकरण' अभियान शुरू किया है। 22 जून 2017 के बाद 'पवित्र पोर्टल' को दरकिनार कर की गई नियुक्तियों पर अब सरकार की टेढ़ी नज़र है। राज्य सरकार ने 22 जून 2017 को शिक्षक भर्ती में पारदर्शिता लाने के लिए 'पवित्र पोर्टल' अनिवार्य किया

था। आरोप है कि जब यह पोर्टल शुरुआती दौर में ठीक से काम नहीं कर रहा था, तब कई निजी स्कूलों ने करीब 8,000 शिक्षकों की भर्ती बिना पोर्टल के ही कर ली।

जिलों में गड़बड़ी का बड़ा आंकड़ा

जांच की आंच पूरे महाराष्ट्र में है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक नाशिक में 800 और नागपुर में 650 शिक्षकों की शालार्थ आईडी में विसंगतियां मिली हैं। राज्य के कुल 17 हजार स्कूलों में कार्यरत करीब 3 लाख कर्मचारियों के दस्तावेजों की भी सामान्य पड़ताल साथ-साथ चल रही है।

दस्तावेजों का पोस्टमॉर्टम

विभागीय उपसंचालक की अध्यक्षता वाली समिति शिक्षकों के एक-एक कागज की बारीकी से जांच करेगी। इसमें मुख्य रूप से शालार्थ आईडी, संस्था की रुजू रिपोर्ट, शिक्षा अधिकारियों के पुराने आदेश और व्यक्तिगत मान्यता के दस्तावेजों का मिलान किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस पूरी जांच प्रक्रिया के लिए 3 महीने का समय दिया है। समिति को अपनी अंतिम रिपोर्ट 15 मई 2026 तक सौंपनी होगी। यदि किसी शिक्षक की भर्ती नियमों के खिलाफ पाई गई, तो उनका वेतन तत्काल प्रभाव से रोक दिया जाएगा।

दो फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बिना वैद्यकीय डिग्री के मरीजों का इलाज करने वाले दो फर्जी डॉक्टरों को क्राइम ब्रांच ने गोवंडी के शिवाजी नगर इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी कई वर्षों से अवैध रूप से क्लिनिक चलाकर मरीजों का उपचार कर रहे थे। पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में दवाइयों का स्टॉक भी जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम राजीव रंजन (34) और कुबेरनाथ यादव (56) हैं। क्राइम ब्रांच के परिमंडल-6 को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी बिना किसी वैध मेडिकल डिग्री के इलाज कर रहे हैं। जांच के बाद पुलिस ने मुंबई महानगरपालिका के एम-पूर्व विभाग के मेडिकल अधिकारियों को साथ लेकर गुरुवार सुबह दोनों के अलग-अलग क्लिनिक पर छापा मारा। इस दौरान दोनों आरोपी मरीजों का इलाज करते हुए पाए गए।

पहले भी हो चुकी हैं ऐसी कार्रवाई, फिर भी जारी गोरखधंधा

पूछताछ के दौरान आरोपियों के पास किसी भी प्रकार की वैद्यकीय योग्यता नहीं पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले भी गोवंडी क्षेत्र में कई फर्जी डॉक्टरों पर कार्रवाई हो चुकी है, बावजूद इसके यह अवैध धंधा जारी है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से ऐसे फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मुंबई के विकास के लिए एक ही प्राधिकरण की मांग

शिवसेना (यूबीटी) नगरसेवक पेश करेंगे प्रस्ताव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के समग्र विकास को लेकर शहर में कार्यरत विभिन्न प्राधिकरणों पर सवाल उठने लगे हैं। म्हाडा, एमएमआरडीए, मेट्रो, एमआईडीसी और एसआरए जैसे कई निकाय होने के बावजूद शहर का सुनियोजित विकास नहीं हो पा रहा है। आरोप है कि इन संस्थाओं के बीच समन्वय की कमी के कारण मुंबई की स्थिति बिगड़ती जा रही है, जिससे नागरिकों को रोजमर्रा की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदूषण, ट्रैफिक और अधूरे प्रोजेक्ट से बढ़ी परेशानी

शहर में बढ़ता प्रदूषण, लगातार ट्रैफिक जाम और वर्षों से अधूरे पड़े प्रोजेक्ट्स ने मुंबईकरों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अन्य प्राधिकरणों पर समयसीमा और जवाबदेही का अभाव होने से कई काम लंबे समय तक अधूरे रहते हैं। इसके चलते न तो उचित योजना बन पाती है और न ही विकास कार्यों में गति आती है। इन्हीं मुद्दों को ध्यान में रखते हुए शिवसेना (ठाकरे) के नगरसेवक सचिन पडवळ आगामी महानगरपालिका बैठक में प्रस्ताव पेश करेंगे। इस प्रस्ताव में मांग की गई है कि मुंबई के विकास के लिए केवल एक ही प्राधिकरण—मुंबई महानगरपालिका—को जिम्मेदारी दी जाए, ताकि शहर का सुनियोजित और प्रभावी विकास सुनिश्चित किया जा सके।

जैन धर्म अल्पसंख्यक दर्जे से बाहर आने पर करे विचार: मंगल प्रभात लोढ़ा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार के कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने जैन समाज को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म मूलतः हिंदू संस्कृति का हिस्सा है और जैन समाज को अल्पसंख्यक दर्जे से बाहर आने पर विचार करना चाहिए। उनके अनुसार, जैन धर्म की पूजा पद्धति अलग हो सकती है,

लेकिन सांस्कृतिक रूप से वह हिंदू परंपरा से जुड़ा है।

कांग्रेस पर साधा निशाना

मंत्री लोढ़ा ने केशव बलीराम हेडगेवार की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि जब तक हिंदू समाज एकजुट नहीं होगा, तब तक सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुगलों और अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति अपनाई और आजादी के बाद कांग्रेस ने भी इसी नीति को आगे बढ़ाया, जिससे समाज में विभाजन हुआ।

जनसंख्या घटने को बताया राजनीतिक कारण

लोढ़ा ने कहा कि जैन और हिंदू समाज, जो विश्व को अहिंसा और मानवता का संदेश देते हैं, उनके बीच राजनीतिक कारणों से दूरी बनाई गई। उन्होंने दावा किया कि दक्षिण भारत में एक समय जैन समाज की जनसंख्या 22-23 प्रतिशत थी, जो अब घटकर लगभग 3 प्रतिशत रह गई है, और इसे उन्होंने राजनीतिक षड्यंत्र का परिणाम बताया।

राम जन्मभूमि आंदोलन का जिक्र

राम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौर में विभिन्न समुदायों में 'हम हिंदू हैं' की भावना मजबूत हुई। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धार्मिक समरसता को बनाए रखते हुए समाज को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा है। लोढ़ा ने यह भी बताया कि इस मुद्दे पर जैन मुनियों और समाज के प्रमुख लोगों से चर्चा चल रही है।

2.90 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाने की साजिश का आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वंचित बहुजन आघाड़ी के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने पुणे में आयोजित पत्रकार वार्ता में बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि महाराष्ट्र में करीब 2 करोड़ 90 लाख मतदाताओं के नाम अवैध रूप से मतदाता सूची से हटाने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने इसे लोकतंत्र के इतिहास की सबसे बड़ी 'वोट चोरी' करार देते हुए निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और नागरिकों से इस मुद्दे पर जागरूक होने की अपील की।

कानूनी प्रक्रिया के उल्लंघन का आरोप

आंबेडकर ने कहा कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 के तहत किसी भी मतदाता का नाम सूची से हटाने से पहले उसे व्यक्तिगत नोटिस देना अनिवार्य है, लेकिन इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा। उनके अनुसार, हर विधानसभा क्षेत्र से 30 से 40 हजार मतदाताओं के नाम कम किए जा रहे हैं, जो चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है।

75 लाख अतिरिक्त वोट पर भी जताया संदेह

आंबेडकर ने यह भी आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के निर्वाचन क्षेत्र से करीब ढाई लाख मतदाताओं के नाम हटाने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही उन्होंने मतदान समाप्ति के बाद दर्ज हुए करीब 75 लाख अतिरिक्त मतों पर भी संदेह जताया। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, ताकि चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास बना रहे।

बीएमसी में 1000 करोड़ के टेंडर रद्द पर सियासत तेज

भ्रष्टाचार में शामिल लोगों पर हो सख्त कार्रवाई: कांग्रेस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई महानगरपालिका में 1000 करोड़ रुपए के टेंडर रद्द किए जाने के बाद सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रशासक राज के दौरान मुंबईकरों के पैसों की जमकर लूट हुई है। पार्टी का कहना है कि इस कार्रवाई ने पहले से लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों को और मजबूत कर दिया है।

सिर्फ टेंडर रद्द करना काफी नहीं: कांग्रेस

मुंबई कांग्रेस के प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस ने कहा कि केवल टेंडर रद्द कर देना पर्याप्त नहीं है। इस मामले में शामिल अधिकारियों और सत्ताधारी नेताओं की गहन जांच कर उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए महानगरपालिका में हो रहे कथित भ्रष्टाचार को उजागर करती रही है।

'नगर निगम के खजाने पर डकैती' का आरोप, श्वेतपत्र की मांग

कांग्रेस ने भाजपा और शिंदे गुट पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोनों दल केवल सत्ता के लिए साथ आए हैं और जनता के हितों की अनदेखी कर रहे हैं। पार्टी के अनुसार, पिछले साढ़े तीन वर्षों में नगर निगम के खजाने को नुकसान पहुंचाया गया है। राजहंस ने बीएमसी की वित्तीय स्थिति, बड़े ठेकों और जमीन सौदों पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग करते हुए कहा कि यदि सरकार पारदर्शिता चाहती है तो उसे सभी तथ्यों को सार्वजनिक करना चाहिए।

कांग्रेस ने संवेदनशील जानकारी लीक किए जाने का लगाया आरोप

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई ने शनिवार को आरोप लगाया कि गिरफ्तार 'स्वयंभू बाबा' अशोक खरात से संबंधित संवेदनशील जानकारी लीक की जा रही है और सवाल उठाया कि क्या महायुति सरकार निजी हिसाब चुकता करने के लिए सरकारी तंत्र का इस्तेमाल कर रही है।खरात को 18 मार्च को एक महिला के साथ तीन साल तक बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। बाद में हुई जांच में यौन उत्पीड़न और वित्तीय अनियमितताओं सहित कई अपराधों का खुलासा हुआ। अब तक खरात के खिलाफ कुल आठ प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। एक बयान में, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रवक्ता सचिन सावंत ने दावा किया कि इस मामले में सत्ताधारी महायुति के कई नेताओं के नाम सामने आए हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि 'कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) से जुड़े हालिया घटनाक्रम पिछले दावों की पुष्टि करते प्रतीत होते हैं।

संपादकीय

पश्चिम बंगाल चुनाव और हिंसा की परछाई

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से ही विचारों के टकराव से अधिक वर्चस्व की लड़ाई का केंद्र रही है। साल 2026 के विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, बंगाल के राजनीतिक गलियारे एक बार फिर उसी पुरानी और दुखद परिपाटी की ओर बढ़ते दिख रहे हैं, जहां लोकतंत्र की आवाज गोलियों और बमों के धमाकों के बीच दबने लगती है। 23 और 29 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले राज्य के जो हालात हैं, वे न केवल चिंताजनक हैं बल्कि चुनावी निष्पक्षता पर भी गंभीर सवालिया निशान खड़े करते हैं। मौजूदा स्थिति को देखें तो बंगाल का चुनावी समर अब केवल विकास या रोजगार के मुद्दों तक सीमित नहीं रह गया है। यह पूरी तरह से अस्मिता और ध्रुवीकरण की भेंट चढ़ चुका है। एक ओर सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस अपनी 'माटी और मानुष' की साख बचाने की जद्दोजहद में है, तो दूसरी ओर मुख्य विपक्षी दल भाजपा अपनी पूरी सांगठनिक शक्ति के साथ 'परिवर्तन' का नारा बुलंद कर रही है। इस खींचतान में जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता आपस में भिड़ रहे हैं। मालदा से लेकर संदेशखाली और मुर्शिदाबाद तक, हिंसा की खबरें अब सुर्खियां नहीं बल्कि बंगाल की दिनचर्या का हिस्सा बनती जा रही हैं। निर्वाचन आयोग के सामने इस बार सबसे बड़ी चुनौती सुरक्षा और पारदर्शिता की है। आयोग द्वारा कोलकाता पुलिस के अधिकारियों पर की गई कार्रवाई और कुछ अधिकारियों का निलंबन यह स्पष्ट करता है कि स्थानीय प्रशासन की निष्पक्षता पर संदेह गहरा है। उन नेताओं की सरकारी सुरक्षा हटाना, जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, एक सराहनीय कदम हो सकता है, लेकिन क्या यह जमीनी स्तर पर फैले 'कैडर राज' के डर को कम कर पाएगा? जब केंद्रीय जांच एजेंसियां जैसे NIA और CBI राज्य में सक्रिय होती हैं, तो उसे 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार देकर संवैधानिक संस्थाओं के बीच टकराव पैदा किया जाता है। यह टकराव अंततः आम मतदाता के भरोसे को ही तोड़ता है। बंगाल चुनाव की एक विडंबना यह भी है कि यहां के मुख्य मुद्दे—जैसे चाय बागान के श्रमिकों की स्थिति, जूट मिलों का भविष्य और युवाओं का पलायन—अक्सर 'बाहरी बनाम भीतरी' के नारों के शोर में गुम हो जाते हैं। मतदाता सूची से लाखों नामों के हटने का विवाद हो या भ्रष्टाचार के आरोप, हर मुद्दे को राजनीतिक चश्मे से देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री का केंद्रीय एजेंसियों पर आरोप और केंद्र का राज्य की कानून-व्यवस्था पर प्रहार, इस राजनीतिक सर्कस में जनता के असली सवाल पीछे छूट गए हैं। पश्चिम बंगाल की जनता राजनीतिक रूप से बहुत जागरूक मानी जाती है, लेकिन यह जागरूकता अक्सर हिंसा के उन्माद में बदल जाती है। चुनाव आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि 2026 का यह जनादेश केवल संख्या बल का प्रदर्शन न बने, बल्कि यह वास्तव में जनता की स्वतंत्र इच्छा का प्रतिबिंब हो। केंद्रीय बलों की तैनाती केवल कागजों पर या मुख्य सड़कों तक सीमित न रहे, बल्कि दूर-दराज के गांवों में भी मतदाता सुरक्षित महसूस कर सके। बंगाल को इस समय 'पावर' दिखाने वाले नेतृत्व की नहीं, बल्कि 'रिस्पांसबिलिटी' (जिम्मेदारी) समझने वाले शासन की जरूरत है। यदि लोकतंत्र के इस उत्सव में हिंसा का दाग इसी तरह गहराता रहा, तो जीत चाहे किसी भी दल की हो, हार सिर्फ और सिर्फ बंगाल की लोकतांत्रिक विरासत और वहां की जनता की होगी। समय आ गया है कि राजनीतिक दल सत्ता के मोह से ऊपर उठकर संवैधानिक मूल्यों की रक्षा को प्राथमिकता दें।

जिद, युद्ध की दिशा और वैश्विक संतुलन पर खतरा

देवेंद्रनाथ जैसवार

इस पूरे संकट में नाटो की भूमिका सीमित लेकिन महत्वपूर्ण है। नाटो देश अमेरिका के समर्थन में हैं, लेकिन वे प्रत्यक्ष युद्ध में कूदने से बच रहे हैं। यूरोपीय देश विशेष रूप से इस संघर्ष को कूटनीतिक तरीके से हल करने के पक्षधर हैं, क्योंकि उन्हें ऊर्जा संकट और शरणार्थी समस्या का सीधा सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर रूस और चीन जैसे देश इस स्थिति को अपने रणनीतिक हितों के अनुसार देख रहे हैं। वे सीधे हस्तक्षेप से बचते हुए वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। यह संघर्ष उन्हें पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने और अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने का अवसर भी देता है।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी टकराव अब निर्णायक मोड़ की ओर बढ़ता दिख रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का संघर्ष नहीं, बल्कि नेतृत्व की जिद, कूटनीतिक विफलता और वैश्विक शक्ति संतुलन की परीक्षा बन चुका है। विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक और एकतरफा नीति ने इस संकट को गहराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संवाद और समझौते की संभावनाओं को नजरअंदाज कर सैन्य दबाव बढ़ाने की रणनीति अब पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर रही है। यह टकराव अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक बाजारों और कूटनीतिक संबंधों को भी प्रभावित कर रहा है।

वर्तमान संकेत बताते हैं कि यह संघर्ष पूर्ण पैमाने के युद्ध की ओर धीरे-धीरे खिसक रहा है, हालांकि दोनों पक्ष प्रत्यक्ष व्यापक युद्ध से अभी भी बचना चाहते हैं। ईरान "प्रत्यक्ष युद्ध" के बजाय "प्रॉक्सी और असममित युद्ध" की रणनीति अपना रहा है—जैसे समुद्री मार्गों पर दबाव, क्षेत्रीय सहयोगियों के माध्यम से हमले और तेल आपूर्ति को बाधित करना। दूसरी ओर अमेरिका अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ाकर दबाव बना रहा है, लेकिन वह भी लंबे युद्ध में उलझने से बचना चाहता है। यह स्थिति एक खतरनाक संतुलन बनाती है, जहां छोटी घटना भी बड़े युद्ध में बदल सकती है और पूरे क्षेत्र को आग में झोंक सकती है।

ईरान आर्थिक प्रतिबंधों और सैन्य दबाव के कारण कमजोर जरूर हुआ है, लेकिन पूरी तरह असहाय नहीं है। उसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी भौगोलिक स्थिति और क्षेत्रीय नेटवर्क है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका प्रभाव वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को प्रभावित करने में सक्षम है। इसके अलावा, क्षेत्र में उसके सहयोगी समूह उसे "प्रत्यक्ष युद्ध" के बिना भी प्रभावी जवाब देने की क्षमता देते हैं। ईरान की रणनीति स्पष्ट है—सीधे टकराव से बचते हुए अमेरिका और उसके सहयोगियों को थकाना, ताकि लंबी अवधि में संतुलन उसके पक्ष में झुके। अमेरिका इस संघर्ष में सैन्य रूप से मजबूत स्थिति में है, लेकिन उसकी चुनौती राजनीतिक और रणनीतिक है। इराक और अन्य पश्चिम एशियाई देशों में उसकी उपस्थिति पहले से ही विवादित रही है। इराक की स्थिति विशेष रूप से जटिल है—वह एक ओर अमेरिका का सहयोगी है, तो दूसरी ओर ईरान का प्रभाव भी वहां गहरा है। इराक इस संघर्ष में खुलकर किसी एक पक्ष में नहीं जाना चाहता, क्योंकि ऐसा करना उसके आंतरिक संतुलन को बिगाड़ सकता है। अमेरिका के लिए यह "शक्ति का प्रदर्शन" और "रणनीतिक नियंत्रण" बनाए रखने का सवाल है, लेकिन लंबा युद्ध उसके लिए भी आर्थिक और राजनीतिक रूप से महंगा साबित हो सकता है।

इस पूरे संकट में नाटो की भूमिका सीमित लेकिन महत्वपूर्ण है। नाटो देश अमेरिका के समर्थन में हैं, लेकिन वे प्रत्यक्ष युद्ध में कूदने से बच रहे हैं। यूरोपीय देश विशेष रूप से इस संघर्ष को कूटनीतिक तरीके से हल करने के पक्षधर हैं, क्योंकि उन्हें ऊर्जा संकट और शरणार्थी समस्या का सीधा सामना करना पड़ सकता है। दूसरी ओर रूस और चीन जैसे देश इस स्थिति को अपने रणनीतिक हितों के अनुसार देख रहे हैं। वे सीधे हस्तक्षेप से बचते हुए वैश्विक शक्ति संतुलन में अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। यह संघर्ष उन्हें पश्चिमी प्रभाव को चुनौती देने और अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने का अवसर भी देता है।

भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। तेल आपूर्ति में बाधा और कीमतों में वृद्धि से महंगाई बढ़ेगी, जिससे आम नागरिक और उद्योग दोनों प्रभावित होंगे। रुपये पर दबाव और बढ़ता आयात बिल आर्थिक स्थिरता के लिए चुनौती बन सकता है। साथ ही, खाड़ी क्षेत्र में काम कर रहे लाखों भारतीयों की सुरक्षा भी एक महत्वपूर्ण चिंता है। भारत को अपने नागरिकों की सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता—तीनों मोर्चों पर एक साथ रणनीति बनानी होगी। हालांकि, भारत के पास संतुलित कूटनीति के माध्यम से इस संकट में अपनी भूमिका मजबूत करने का अवसर भी है। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश अब और अधिक जरूरी हो गया है।

हमारी गीता

शोक और मोह का अंतर

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

जीवन में उत्पन्न होने वाले दुःखों को हम अक्सर बाहरी परिस्थितियों से जोड़ते हैं, जबकि उनका मूल कारण भीतर छिपा होता है। गीता हमें सिखाती है कि शोक और मोह की सही पहचान ही मानसिक शांति का मार्ग खोलती है। गीता में अर्जुन की स्थिति "धर्मसम्मूढचेताः" कही गई है, अर्थात उसका मन धर्म के विषय में भ्रमित हो गया है। यही भ्रम शोक और मोह की जड़ है। सामान्यतः हम इन दोनों को एक ही समझ लेते हैं, जबकि इनके अर्थ अलग हैं। शोक वह है, जो किसी वास्तविक घटना से उत्पन्न होता है—जैसे बीमारी, हानि या पीड़ा। इसके समाधान के लिए कर्म आवश्यक होता है। चोट लगे तो दवा लगती है, समस्या हो तो उसका व्यावहारिक उपाय करना पड़ता है। यानी शोक का संबंध बाहरी परिस्थिति से है और उसका समाधान भी बाहरी प्रयासों से संभव है। इसके विपरीत मोह एक मानसिक भ्रम है। यह अज्ञान से उत्पन्न होता है, जिसमें हम वस्तु या परिस्थिति को सही रूप में नहीं देख पाते। जैसे अंधेरे में पड़ी रस्सी को सांप समझ लेना। उस भ्रम से डर, चिंता और घबराहट पैदा होती है, जबकि वास्तव में वहां कोई सांप होता ही नहीं। ऐसे में न लाठी की जरूरत है, न किसी और उपाय की—केवल प्रकाश की आवश्यकता है, जिससे सत्य स्पष्ट हो जाए। इसी प्रकार जीवन में भी अधिकांश दुःख मोह से उत्पन्न होते हैं। हम कल्पनाओं और भावनाओं के आधार पर चिंता करते हैं। जैसे बच्चा निश्चिंत होकर खेलता है, लेकिन माता प्रेम और आसक्ति के कारण व्यर्थ चिंता करती रहती है। यहां वास्तविक समस्या नहीं, बल्कि मोह है। गीता बताती है कि अज्ञान ही मोह का कारण है। जब बुद्धि भ्रमित होती है, तब व्यक्ति सत् को असत् और असत् को सत् मानने लगता है। मन की भावनाएं ज्ञान नहीं होतीं, और भावनाओं के वश में आकर लिया गया निर्णय अक्सर मोह को जन्म देता है। इसका समाधान भी स्पष्ट है—ज्ञान। शरीर के रोग का उपचार दवा से होता है, लेकिन मन के भ्रम का उपचार उपदेश और सही समझ से होता है। जब ज्ञान का प्रकाश आता है, तब मोह समाप्त हो जाता है और उसके साथ ही शोक भी मिट जाता है। अतः जीवन में शांति पाने के लिए आवश्यक है कि हम सत्य को पहचानें और अज्ञान के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से दूर करें।

शख्सियत | बाबू जगजीवन राम

सादगी, संघर्ष और अटूट कर्तव्यनिष्ठा के प्रतीक

बाबू जगजीवन राम भारत के राजनीतिक क्षितिज पर एक ऐसे देदीप्यमान नक्षत्र रहे हैं, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन वंचितों के उत्थान और राष्ट्र की सेवा में समर्पित कर दिया। 5 अप्रैल 1908 को बिहार के भोजपुर जिले के चंदवा गांव में जन्मे जगजीवन राम, जिन्हें दुनिया आदर से 'बाबूजी' कहती है, भारत के सबसे प्रभावशाली दलित नेताओं और कुशल प्रशासकों में से एक थे।

उनका जीवन इस बात का जीवंत उदाहरण है कि कैसे दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा से व्यक्ति विपरीत परिस्थितियों को मात देकर इतिहास रच सकता है। बाबूजी का बचपन चुनौतियों से भरा था। उन्होंने कम उम्र में ही अपने पिता को खो दिया था, लेकिन उनकी माता बसंती देवी ने सुनिश्चित किया कि उनके बेटे की शिक्षा में कोई बाधा न आए। उस दौर में व्याप्त छुआछूत और जातिगत भेदभाव का सामना करते हुए उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। आरा के स्कूल में पढ़ते समय जब उनके लिए अलग घड़े का पानी रखा गया, तो उन्होंने उसे तोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। उनकी प्रतिभा और विद्रोही चेतना ने उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और बाद में कलकता विश्वविद्यालय तक पहुँचाया, जहाँ से उन्होंने स्नातक की उपाधि प्राप्त की। महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रभावित होकर बाबूजी स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े। उन्होंने महसूस किया कि देश की आजादी अधूरी है यदि समाज का एक बड़ा वर्ग अपमान और शोषण की बेड़ियों में जकड़ा रहे। 1937 में वे पहली बार बिहार विधान परिषद के लिए चुने गए। उन्होंने 'अखिल भारतीय दलित वर्ग संघ' की नींव रखी, जिसका उद्देश्य दलितों को उनके मानवीय अधिकार दिलाना और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ना था। स्वतंत्र भारत की पहली कैबिनेट में वे सबसे युवा मंत्री थे। उनके पास श्रम, रेलवे, कृषि और रक्षा जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार रहा। श्रम मंत्री के रूप में उन्होंने 'न्यूनतम मजदूरी अधिनियम' और 'कर्मचारी राज्य बीमा योजना' (ESI) जैसे ऐतिहासिक कानून लागू किए, जो आज भी भारतीय श्रमिकों के सुरक्षा कवच हैं। कृषि मंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल को 'हरित क्रांति' के स्वर्णिम काल के रूप में याद किया जाता है। उनके नेतृत्व में भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना। वहीं, 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान वे भारत के रक्षा मंत्री थे। उनके कुशल रणनीतिक नेतृत्व में भारतीय सेना ने ऐतिहासिक विजय प्राप्त की और बांग्लादेश का उदय हुआ। बाबूजी का मानना था कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। वे अक्सर कहते थे कि ₹पत्रकारिता पावर नहीं, रिस्पांसबिलिटी है।₹ उन्होंने अपने लेखन और भाषणों के माध्यम से हमेशा यह संदेश दिया कि लोकतंत्र की सफलता के लिए समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को सुना जाना अनिवार्य है। उनके विचार आज भी संपादकों और लेखकों के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत की तरह हैं। बाबू जगजीवन राम लगभग पांच दशकों तक भारतीय संसद के सदस्य रहे, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। वे भारत के उप-प्रधानमंत्री के पद तक पहुँचे, लेकिन उनके पैर हमेशा जमीन पर रहे। उनका जीवन हमें सिखाता है कि जाति या कुल मनुष्य की पहचान नहीं होते, बल्कि उसके कर्म और राष्ट्र के प्रति उसका समर्पण ही उसे महान बनाता है।

जीवन ऊर्जा | थॉमस हॉब्सः जन्म : 5 अप्रैल 1588 | जन्म

आपसी विश्वास ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है

अंग्रेज दार्शनिक थॉमस हॉब्स का जन्म 5 अप्रैल 1588 को हुआ था। उन्हें आधुनिक राजनीतिक दर्शन का संस्थापक माना जाता है। उनकी प्रमुख पुस्तक लेविथान' है, जिसमें उन्होंने बताया कि समाज में व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक मजबूत शासन जरूरी है। उन्होंने 'सामाजिक अनुबंध' के विचार को लोकप्रिय बनाया, जिसने भविष्य की सरकारों और कानूनी प्रणालियों को नई दिशा दी।

लोजिज्ञासा मन का वह प्रेम है, जो ज्ञान के निरंतर प्रवाह से ही शांत होता है। शांति खोजना और उसका अनुसरण करना ही प्रकृति का पहला और मूलभूत नियम है। ज्ञान ही शक्ति है। मनुष्य की बुद्धि उसके अनुभवों का ही प्रतिबिंब होती है। कल्पना और कुछ नहीं, बल्कि स्मृतियों का नया स्वरूप है। तर्क वह पथ है, जो हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। दूसरों के साथ वही व्यवहार करें, जिसकी अपेक्षा आप स्वयं के लिए करते हैं। विवेक बीते हुए समय की यादों से भविष्य को संवारने की कला है। शब्द बुद्धिमानों के लिए केवल साधन हैं, जिनसे वे सत्य की गणना करते हैं। निरंतर आगे बढ़ते रहने का नाम ही जीवन है। खुशी वह प्रगति है, जो एक इच्छा की पूर्ति से दूसरी की ओर ले जाती है। सत्य की खोज स्पष्ट शब्दों और शुद्ध विचारों से ही संभव है। आपसी विश्वास ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी है। स्वयं को जानना ही संसार को जानने की पहली सीढ़ी है। साहस वह गुण है, जो हमें व्यवस्था और सुरक्षा की ओर ले जाता है। मनुष्य अपनी जिज्ञासा के कारण ही भविष्य की योजना बनाने में सक्षम है। उदारता व्यक्ति के सामर्थ्य और उसकी महानता का प्रमाण है। समझदारी का अर्थ है वस्तुओं को उनके सही रूप में पहचानना। एकता में वह बल है जो किसी भी बड़ी बाधा को दूर कर सकता है। आशा वह शक्ति है जो मनुष्य को कठिन समय में भी सक्रिय रखती है। अनुभव ही वह नींव है जिस पर बुद्धिमानी का महल खड़ा होता है। नियमों का सम्मान ही हमें वास्तविक स्वतंत्रता प्रदान करता है। विज्ञान वह मार्ग है जो हमें कार्यों के कारणों तक ले जाता है। हंसी हमारे मन की प्रसन्नता और आत्मविश्वास का तात्कालिक प्रकटीकरण है।

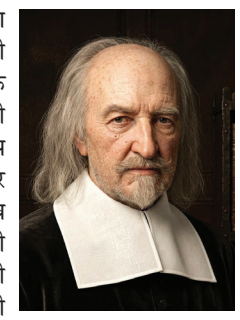

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

"मैं न होता तो क्या होता" का भ्रम

मानव जीवन में अहंकार अक्सर बहुत सूक्ष्म रूप में प्रवेश करता है। हम कई बार यह मान बैठते हैं कि यदि हम न होते, तो कोई कार्य संभव ही न होता। यही भावना "मैं न होता तो क्या होता" का भ्रम पैदा करती है। रामचरितमानस के सुंदरकांड का एक प्रसंग इस भ्रम को अत्यंत सुंदर ढंग से तोड़ता है और हमें विनम्रता का सच्चा पाठ सिखाता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अशोक वाटिका में जब रावण क्रोध से भरकर तलवार उठाए माता सीता को मारने के लिए दौड़ा, तब वृक्ष पर बैठे हनुमान जी यह दृश्य देख रहे थे। एक क्षण के लिए उनके मन में विचार आया कि वे तुरंत आगे बढ़ें, रावण की तलवार छीन लें और उसका वध कर दें। उन्हें लगा कि यदि वे हस्तक्षेप नहीं करेंगे, तो माता सीता की रक्षा कौन करेगा। परंतु अगले ही क्षण एक अप्रत्याशित घटना घटी। मंदोदरी ने रावण का हाथ पकड़ लिया और उसे रोक दिया। यह देखकर हनुमान जी चकित रह गए। उनके मन में तुरंत विचार आया—यदि मैं आगे बढ़ जाता, तो मुझे यह भ्रम हो जाता कि सीता जी की रक्षा मैंने की। जबकि वास्तव में प्रभु ने यह कार्य मंदोदरी से करा लिया। यहीं से हनुमान जी को गहरा बोध हुआ कि संसार में हर कार्य ईश्वर की इच्छा से होता है। हम केवल माध्यम हैं, कर्ता नहीं। आगे एक और प्रसंग इस सत्य को और स्पष्ट करता है। त्रिजटा ने स्वप्न में देखा कि एक वानर लंका को जला देगा। यह सुनकर हनुमान जी चिंतित हो गए, क्योंकि उन्हें तो प्रभु राम ने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था। वे सोचने लगे कि उन्हें क्या करना चाहिए—अपने मन की करें या प्रभु की इच्छा की प्रतीक्षा करें। इसी बीच रावण के सैनिक उन्हें मारने के लिए दौड़े, लेकिन हनुमान जी ने अपने बचाव का प्रयास नहीं किया। तभी विभीषण ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि दूत को मारना नीति के विरुद्ध है। हनुमान जी समझ गए कि उनकी रक्षा के लिए भी प्रभु ने पहले से ही व्यवस्था कर दी है। फिर रावण ने आदेश दिया कि हनुमान जी की पूंछ में कपड़ा बांधकर उसमें आग लगा दी जाए। यह सुनकर हनुमान जी को त्रिजटा का स्वप्न याद आया। वे मुस्कुराए और मन ही मन बोले—लंका को जलाने के लिए जो साधन चाहिए थे, वह भी प्रभु ने रावण से ही जुटवा दिए। अब मुझे केवल निमित्त बनना है। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि ईश्वर अपनी योजना के अनुसार हर कार्य कराते हैं। वे चाहे तो रावण जैसे अहंकारी व्यक्ति से भी अपना काम करवा सकते हैं, और एक साधारण सेवक से भी। इसमें हमारा कोई विशेषत्व नहीं, हम केवल माध्यम हैं। इसलिए जीवन में कभी यह अहंकार नहीं पालना चाहिए कि "मेरे बिना कुछ नहीं हो सकता।" सच्चाई यह है कि संसार का संचालन ईश्वरीय शक्ति से होता है, और हम सब उसी के छोटे-से उपकरण हैं।

अपने विचार

वह इस बार चुनावी मैदान में नहीं उतरेंगे और पूरी तरह से पार्टी के प्रचार पर फोकस करेंगे। वह न तो उम्मीदवारों की सूची में थे और न ही चुनाव लड़ने की दौड़ में। अगर वह चाहते, तो तमिलनाडु की किसी भी सीट से चुनाव लड़ सकते थे।

-के अन्नामलाई
नेता, तमिलनाडु भाजपा

तेजस्वी यादव की अंग्रेजी अभी नवीं फेल के स्तर से बाहर नहीं निकल पाई है। यही वजह है कि नेता प्रतिपक्ष का दर्जा हासिल तेजस्वी गलत अंग्रेजी बोलकर बिहार की छवि दूसरे राज्यों में खराब कर रहे हैं।

-नीरज कुमार
नेता, बिहार

जब ड्रोन का संचालन सही से नहीं कर पा रहे हैं तो सैफई में हवाई पट्टी पर विमान का संचालन कैसे करेंगे? सैफई के गांव में जो ड्रोन गिरा है उससे इलाके में दहशत और अफरातफरी का माहौल बन गया, ग्रामीणों को आशंका हुई कि कहीं कोई मिसाइल तो नहीं गिर गई।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

असम की स्वदेशी आबादी के हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। बिना सुरक्षा के प्रगति का कोई अर्थ नहीं है। अवैध प्रवासियों की पहचान और निष्कासन प्रक्रिया को सख्ती से लागू किया जाएगा, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी और संस्कृति सुरक्षित रहे।

- हेमंता विस्वा सरमा
मुख्यमंत्री, असम

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोतमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई-400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

छह अप्रैल को खुलेगी आनलाइन लॉटरी

ठाणे। शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए RTE (शिक्षा का अधिकार) 25% आरक्षण के तहत निजी स्कूलों में प्रवेश की ऑनलाइन लॉटरी सोमवार, 6 अप्रैल 2026 को सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। ठाणे सहित पूरे राज्य में लागू होने वाली यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी और कंप्यूटरीकृत होगी, जिसके माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर और पिछड़े वर्ग के पात्र विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। अभिभावक आधिकारिक RTE पोर्टल पर परिणाम देख सकेंगे और चयनित छात्रों की सूचना उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर SMS के जरिए भी दी जाएगी। शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे ने इस प्रक्रिया की शुचिता पर जोर देते हुए अभिभावकों को आगाह किया है कि वे किसी भी बिचौलिये या अफवाह के झांसे में न आएं और केवल सरकारी माध्यमों व आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त जानकारी पर ही भरोसा करें।

गैस सिलेंडर की किल्लत पर सड़क जाम

मुंबई। गैस सिलेंडर की किल्लत से परेशान नागरिकों का गुस्सा शनिवार सुबह चेंबूर में फूट पड़ा। तेज धूप में घंटों कतार में खड़े रहने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने से नाराज लोगों ने शीव–पनवेल मार्ग पर रास्ता रोको आंदोलन किया। इस वजह से सड़क पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतार लग गई। इरान–अमेरिका और इजरायल के बीच चल रहे तनाव के कारण देश में गैस आपूर्ति प्रभावित हुई है। पहले जो सिलेंडर दो दिनों में मिल जाता था, अब उसके लिए 15 से 20 दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसके चलते गैस एजेंसियों के बाहर रोजाना लंबी कतारें लग रही हैं और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। चेंबूर के भक्ती भवन क्षेत्र स्थित गैस वितरक कार्यालय के बाहर शनिवार को बड़ी संख्या में लोग जमा थे। सिलेंडर न मिलने से आक्रोशित नागरिकों ने सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलते ही चेंबूर पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर आंदोलन समाप्त कराया। इसके बाद शीव–पनवेल मार्ग पर यातायात फिर से सामान्य हो सका।

जिलाधिकारी ने सिविल अस्पताल के हर वार्ड का किया निरीक्षण

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

जिला सरकारी अस्पताल (सिविल हॉस्पिटल) की सूरत बदलने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल के औचक निरीक्षण के बाद पूरा अस्पताल तंत्र 'एक्शन मोड' में आ गया है। अब अस्पताल में केवल इलाज ही नहीं, बल्कि सफाई, अनुशासन और मरीजों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल ने स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के साथ अस्पताल के हर कोने का दौरा किया। उन्होंने ओपीडी (OPD), जनरल वार्ड और दवा वितरण केंद्र में जाकर खुद स्थिति देखी। इस दौरान स्वास्थ्य उप-निदेशक डॉ. अशोक नंदापुरकर और अतिरिक्त जिला शल्य चिकित्सक डॉ. धीरज महानगड़े भी मौजूद थे।

क्लीननेस मॉनिटरिंग सिस्टम लागू

अस्पताल परिसर को हमेशा साफ रखने के लिए एक नया 'मॉनिटरिंग सिस्टम' शुरू किया गया है। अब सफाई केवल कागजों पर नहीं होगी, बल्कि नियमित अंतराल पर इसकी चेकिंग की जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सफाई के काम में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दवाओं और स्टाफ की कार्यशैली का रिव्यू

निरीक्षण के दौरान केवल सफाई ही नहीं, बल्कि अस्पताल में दवाओं के स्टॉक और डॉक्टरों व नर्सों के व्यवहार का भी जायजा लिया गया। मरीजों को दी जाने वाली डाइट और वार्डों में बेड की स्थिति को सुधारने के लिए मेडिकल स्टाफ को विशेष ट्रेनिंग और निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य उप-निदेशक डॉ. अशोक नंदापुरकर ने चेतावनी दी है कि यदि सफाई या मरीज सेवा में कोई भी कर्मचारी या एजेंसी दोषी पाई जाती है, तो उनके खिलाफ तत्काल दंडात्मक और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का लक्ष्य ठाणे सिविल अस्पताल को एक मॉडल सरकारी अस्पताल बनाना है।

मरीजों को अब नहीं करना होगा लंबा इंतजार

जिलाधिकारी ने साफ निर्देश दिए हैं कि मरीजों को केस पेपर (पर्चा) बनवाने से लेकर डॉक्टर से मिलने तक लंबी लाइनों में न जूझना पड़े। सिस्टम को इतना आसान बनाने को कहा गया है कि इमरजेंसी में आने वाले किसी भी मरीज को बिना किसी देरी के तुरंत मेडिकल हेल्प मिल सके।

रोजाना 30 छात्रों की सड़क हादसों में मौत

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

देश में हर दिन करीब 30 स्कूली छात्रों की सड़क हादसों में मौत के आंकड़े ने चिंता बढ़ा दी है। इसी को ध्यान में रखते हुए ठाणे में स्कूल बस ड्राइवरों के लिए विशेष जागरूकता और हेल्थ चेक-अप कैंप आयोजित किया गया, ताकि उन्हें छात्रों की सुरक्षा के प्रति अधिक जिम्मेदार बनाया जा सके और उनकी मानसिक स्थिति को भी बेहतर किया जा सके।

ठाणे में स्कूल बस ड्राइवरों को दी जा रही सुरक्षा डोज़

इमरजेंसी ट्रेनिंग और तकनीकी जानकारी

कार्यक्रम में डॉ. दीपाली कार्णिक ने सीपीआर (CPR) का प्रदर्शन कर मेडिकल इमरजेंसी में बच्चों की जान बचाने की ट्रेनिंग दी। साथ ही ड्राइवरों का आंख, खून और दांतों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर अमोल राठौड़ ने 'ब्लाइंड स्पॉट', स्पीड लिमिट और सुरक्षित ड्राइविंग के तकनीकी पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया। इस पहल में आरटीओ की रोड सेफ्टी टीम, बस सर्विस ऑपरेटर और स्कूल प्रबंधन का सहयोग रहा।

मेंटल हेल्थ और जिम्मेदारी पर जोर

यह कार्यक्रम सुलोचनादेवी सिंघानिया स्कूल में परिवर्तन सोशल एंड एजुकेशन ट्रस्ट और ठाणे आरटीओ कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें करीब 200 बस ड्राइवर, महिला अटेंडेंट और स्टाफ शामिल हुए। साइकेट्रिस्ट डॉ. अमोल भुसारे ने बताया कि लंबे काम के घंटे, ट्रैफिक और पारिवारिक तनाव ड्राइवरों के व्यवहार को प्रभावित करते हैं, इसलिए मानसिक संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

उत्साह के साथ मनाया गया प्रोजेनेसिस का 12वां स्थापना दिवस

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

माता-पिता बनने के सपने को साकार करने के लिए समर्पित प्रोजेनेसिस फर्टिलिटी सेंटर ने अपने सफल सफर के 12 वर्ष पूरे होने पर स्थापना दिवस उत्साहपूर्वक मनाया। यह आयोजन केवल एक संस्थान की उपलब्धि नहीं, बल्कि पिछले 12 वर्षों में हजारों परिवारों के जीवन में नई उम्मीदें जगाने वाले सफर का उत्सव भी रहा। भरोसे, आधुनिक उपचार पद्धतियों और मरीज-केंद्रित सेवाओं के कारण प्रोजेनेसिस ने अपनी अलग पहचान बनाई है।

महाराष्ट्र में 21 अत्याधुनिक सेंटरों का विस्तार

वर्ष 2014 में नासिक से शुरू हुआ यह सफर आज पूरे महाराष्ट्र में मजबूत आधार स्थापित कर चुका है। वर्तमान में मुंबई, पुणे सहित राज्य के विभिन्न शहरों में प्रोजेनेसिस के कुल 21 अत्याधुनिक सेंटर संचालित हैं। आधुनिक तकनीक, अनुभवी डॉक्टरों की टीम और प्रभावी कार्यप्रणाली के दम पर संस्थान ने कम समय में ही राज्यभर में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। इस अवसर पर मेडिकल डायरेक्टर डॉ. नरहरी मलगांवकर ने कहा कि हर दंपति को माता-पिता बनने का सुख देना ही संस्थान का लक्ष्य है और वे उपचार के साथ मरीजों के भावनात्मक सफर में भी उनके साथ खड़े रहते हैं। संस्थापक व निदेशक संदीप आहेर ने बताया कि दादर, अकोला, सातारा, लातूर, सांगली और बुलढाणा में जल्द नए सेंटर शुरू किए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रोजेनेसिस फाउंडेशन के 'प्रोजेक्ट अन्नपूर्णा' और 'प्रोजेक्ट ज्ञानदीप' जैसे सामाजिक उपक्रमों को भी रेखांकित किया गया, जिनके माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन और छात्रों को शैक्षणिक सहायता प्रदान की जा रही है।

नौसेना में शामिल हुआ आईएनएस तारागिरी

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए भारतीय नौसेना में स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट 'आईएनएस तारागिरी' को शामिल कर लिया गया है। इस युद्धपोत को शुक्रवार को औपचारिक रूप से नौसेना के सुपुर्द किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे देश की आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता का प्रतीक बताया। आईएनएस तारागिरी का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) में किया गया है। यह प्रोजेक्ट 17ए श्रृंखला का तीसरा जहाज है, जो पूरी तरह स्वदेशी डिजाइन और तकनीक पर आधारित है। इससे भारत के रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता को और मजबूती मिली है।

निर्माण अवधि में आई कमी

प्रोजेक्ट 17ए के तहत बनने वाले जहाजों की निर्माण अवधि में भी कमी आई है। उन्नत तकनीक और मॉड्यूलर निर्माण प्रणाली के कारण पहले के मुकाबले तेजी से निर्माण कार्य पूरा किया जा सका है। इससे रक्षा परियोजनाओं में समयबद्धता सुनिश्चित हो रही है। आईएनएस तारागिरी के निर्माण में करीब 75 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इससे देश में रक्षा उद्योग को प्रोत्साहन मिला है और रोजगार के नए अवसर भी सृजित हुए हैं। यह 'मेक इन इंडिया' पहल को भी मजबूती देता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह के आधुनिक युद्धपोत भारतीय नौसेना को बहुआयामी युद्ध के लिए तैयार करते हैं।

आधुनिक तकनीक से लैस युद्धपोत

यह फ्रिगेट अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों, सेंसर और स्टेल्थ तकनीक से सुसज्जित है। इसकी लंबाई करीब 149 मीटर और वजन लगभग 6400 टन है। जहाज को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह दुश्मन की रडार पकड़ से बच सके और समुद्र में लंबे समय तक ऑपरेशन करने में सक्षम हो। आईएनएस तारागिरी के शामिल होने से भारतीय नौसेना की निगरानी, सुरक्षा और युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। यह हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक उपस्थिति को और मजबूत करेगा।

सोलापुर डिवीजन में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को बूस्टर

480 करोड़ से अधिक का निवेश

डीबीडी संवाददाता I नई दिल्ली/सोलापुर

सेंट्रल रेलवे के सोलापुर डिवीजन में अमृत भारत स्टेशन स्कीम (ABSS) के तहत बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकास कार्य किए जा रहे हैं। कुल 480 करोड़ से अधिक के निवेश के साथ इस योजना का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देना, एक्सेसिबिलिटी बढ़ाना और स्टेशनों को आधुनिक स्वरूप प्रदान करना है। डिवीजन में यह बदलाव एक व्यापक और यात्री-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है।

फेज़-I में प्रमुख स्टेशनों का व्यापक पुनर्विकास

फेज़-I के तहत 330.14 करोड़ की लागत से सोलापुर, कलबुर्गी, लातूर, पंढरपुर, वाडी, कुर्दुवाड़ी, धाराशिव, जेउर, गंगापुर रोड, शाहाबाद, दुधानी और अक्कलकोट रोड स्टेशनों का बड़े पैमाने पर विकास किया जा रहा है। इन स्टेशनों पर सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार, प्लेटफॉर्म सुधार, नए फुट ओवर ब्रिज (FOB), एस्केलेटर, आधुनिक शौचालय, पार्किंग, ड्रेनेज और दिव्यांग-अनुकूल सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

फेज़-II में समावेशिता और सस्टेनेबिलिटी पर जोर

फेज़-II के तहत 152.35 करोड़ खर्च कर इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत किया जा रहा है। इसमें प्लेटफॉर्म शेल्टर, टैक्टाइल पाथवे, जल आपूर्ति प्रणाली, रिटायरिंग रूम, पार्किंग, बाउंड्री वॉल और दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधाओं का विस्तार शामिल है। इस चरण में स्टेशनों को अधिक समावेशी और टिकाऊ बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आधुनिक और भविष्य उन्मुख रेलवे की दिशा में कदम

सोलापुर डिवीजन का यह विकास कार्य भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वर्ल्ड-क्लास स्टेशन सुविधाएं, बेहतर सुरक्षा, समावेशी ढांचा और सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर इस योजना के प्रमुख लक्ष्य हैं। इन प्रयासों से न केवल यात्रा अनुभव बेहतर होगा, बल्कि क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।

यात्री सुरक्षा और सुगमता में सुधार

यात्री सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई स्टेशनों पर हाई-लेवल प्लेटफॉर्म, नए फुट ओवर ब्रिज और सर्कुलेशन एरिया के विकास को मंजूरी दी गई है। भिगवान, होटगी, मुरुड, कलंब रोड और अन्य स्टेशनों पर 12 हाई-लेवल प्लेटफॉर्म बनाए जाएंगे, जबकि कई स्थानों पर अतिरिक्त FOB का निर्माण प्रस्तावित है। इससे यात्रियों, खासकर बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए आवागमन अधिक सुरक्षित और आसान होगा।

ठाणे मनपा को मिली दो लाइफ-सेविंग कार्डियक एम्बुलेंस

दिल के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी यह सेवा

सीएसआर फंड से मिली आधुनिक सुविधा

डीबीडी संवाददाता I ठाणे

शहर के स्वास्थ्य तंत्र में आज एक महत्वपूर्ण सुधार हुआ है। ठाणे महानगरपालिका (TMC) को सीएसआर (CSR) फंड के माध्यम से दो अत्याधुनिक कार्डियक एम्बुलेंस प्राप्त हुई हैं। ये एम्बुलेंस विशेष रूप से हृदय रोग के मरीजों को अस्पताल पहुँचने से पहले 'गोल्डन ऑवर' में तत्काल उपचार देने के लिए डिजाइन की गई हैं। ये दोनों अत्याधुनिक एम्बुलेंस फर्स्ट क्रेडिट सर्विसेज और इनरव्हील डिस्ट्रिक्ट 314 के कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई गई हैं। सांसद नरेश म्हस्के ने अपने महापौर कार्यकाल के दौरान इस परियोजना की नींव रखी थी, जो अब धरातल पर उतरी है।

'गोल्डन ऑवर' में मिलेगी मदद

हृदयघात के मामलों में शुरुआती 60 मिनट यानी 'गोल्डन ऑवर' सबसे कीमती होते हैं। इन एम्बुलेंस के ठाणे मनपा के बेड़े में शामिल होने से आपातकालीन स्थिति में मरीजों को अब तेजी से और सुरक्षित तरीके से हृदय रोग विशेषज्ञों तक पहुँचाया जा सकेगा। ठाणे मनपा के स्वर्गीय नरेंद्र बल्लाल हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद नरेश म्हस्के, महापौर शर्मिला पिंपोलकर, उप महापौर कृष्णा पाटिल और स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी मौजूद थे। इनरव्हील क्लब की अध्यक्ष लक्ष्मी सिंह और प्रोजेक्ट मैनेजर डॉ. छाया भड़कमकर को इस नेक पहल के लिए विशेष धन्यवाद दिया गया। सांसद नरेश म्हस्के ने याद दिलाया कि रोटरी क्लब और इनरव्हील क्लब जैसे संगठनों ने कोविड काल में भी ठाणे मनपा का डटकर साथ दिया था।

अस्पताल जैसी सुविधाएं पहियों पर

ये साधारण एम्बुलेंस नहीं हैं, बल्कि 'कार्डियक' एम्बुलेंस हैं। इनमें वेंटिलेटर, डिफिब्रिलेटर और ऑक्सीजन सपोर्ट जैसी मशीनें होती हैं। महापौर शर्मिला पिंपलोलकर ने बताया कि ये एम्बुलेंस हृदय रोगियों के लिए अस्पताल पहुँचने से पहले ही प्रारंभिक उपचार प्रदान करने में सक्षम हैं, जिससे मरीज की जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

प्रियंका जैन
97699 94439

मेष योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें। विवेक का प्रयोग करें। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृष अध्यात्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका हाथ आएगा। सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

मिथुन वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है।

कर्क काम में मन नहीं लगेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। इच्छाशक्ति प्रबल करें। फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

सिंह डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अज्ञात भय रहेगा।

कन्या नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। प्रसन्नता तथा उत्साह का वातावरण बनेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा।

तुला भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

धनु रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। कुसंगति से हानि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। जल्दबाजी न करें।

मकर समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। मातहतों का साथ नहीं मिलेगा। थकान रहेगी। व्यवसाय-व्यापार से मनोनुकूल लाभ होगा। बुरी खबर प्राप्त हो सकती है।

कुंभ पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

मीन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सभी काम समय पर होने से प्रशंसा प्राप्त होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। पारिवारिक चिंताओं में कमी होगी। प्रमाद न करें।

ग्रहों के अशुभ प्रभाव और जीवन पर उनका असर: एक विस्तृत दृष्टिकोण

प्रियंका जैन
97699 94439

मनुष्य का जीवन ब्रह्मांडीय शक्तियों से गहरे रूप से जुड़ा हुआ है। प्राचीन काल से ही ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों की स्थिति और उनकी चाल को मानव जीवन की सुख-दुख, स्वास्थ्य, व्यवसाय और संबंधों के संकेतक के रूप में देखा गया है। प्रत्येक ग्रह का विशेष प्रभाव होता है, और अगर उनका प्रभाव अशुभ होता है तो यह हमारे जीवन में विभिन्न प्रकार की परेशानियाँ उत्पन्न कर सकता है। ग्रहों का अशुभ प्रभाव केवल जीवन की चुनौतियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह मानसिक, शारीरिक और सामाजिक क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

सूर्य, जिसे शक्ति, आत्मविश्वास और नेतृत्व का प्रतीक माना जाता है, जब अशुभ प्रभाव डालता है तो सरकारी नौकरी या आधिकारिक कार्यों में बाधाएँ उत्पन्न कर सकता है। ऐसे समय में व्यक्ति को अपने पिता या उच्च अधिकारियों के साथ अनबन का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा सिर दर्द, नेत्र रोग, हृदय रोग और अस्थि संबंधी समस्याएँ भी सामने आ सकती हैं। सूर्य का अशुभ प्रभाव व्यक्ति की ऊर्जा और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालता है, जिससे जीवन में स्थिरता बनाए रखना कठिन हो जाता है।

चंद्रमा, जो मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और मातृत्व का प्रतीक है, जब अशुभ स्थिति में होता है, तो यह मानसिक परेशानियों और अनिद्रा का कारण बन सकता है। अशुभ चंद्रमा दमा, कफ, सर्दी-जुकाम और मूत्र संबंधी रोग उत्पन्न कर सकता है। स्त्रियों के लिए इसका प्रभाव मासिक धर्म संबंधी समस्याओं के रूप में दिखाई देता है। इसके अलावा निमोनिया जैसी बीमारियों के खतरे भी बढ़ जाते हैं। मानसिक असंतुलन के कारण व्यक्ति सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन में तनाव महसूस कर सकता है।

मंगल, साहस, ऊर्जा और कार्यक्षमता का ग्रह माना जाता है, लेकिन जब इसका प्रभाव अशुभ होता है तो यह क्रोध, हिंसा और दुर्घटनाओं की प्रवृत्ति बढ़ा देता है। अशुभ मंगल रक्त विकार, कुष्ठ रोग और बवासीर जैसी शारीरिक समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है। परिवार में भाई-बहनों के बीच अनबन, अचानक नुकसान या दुर्घटनाएँ भी इस समय अधिक देखने को मिलती हैं। व्यक्तियों को विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता होती है क्योंकि मंगल की अशुभ स्थिति जीवन में अप्रत्याशित संकट ला सकती है।

बुध का संबंध बुद्धि, व्यापारिक कौशल और संवाद से होता है। जब बुध अशुभ होता है तो गले, नाक और कान के रोग, स्मृति में कमजोरी और व्यवसाय में हानि की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके अलावा मामा से अनबन और पारिवारिक तनाव भी इस समय आम देखने को मिलते हैं। अशुभ बुध व्यक्ति के निर्णय क्षमता और सोचने की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे व्यवसाय और शिक्षा दोनों में चुनौतियाँ सामने आती हैं।

गुरु, ज्ञान, धर्म और विस्तार का प्रतिनिधि ग्रह है। अशुभ गुरु धन व्यय, आय में कमी, विवाह और संतान में देरी जैसी समस्याएँ ला सकता है। इसके अलावा उदर विकार, गठिया और कब्ज जैसी शारीरिक परेशानियाँ भी देखने को मिलती हैं। अशुभ गुरु व्यक्ति के विश्वास और धार्मिक आस्था पर भी प्रभाव डाल सकता है, जिससे गुरु या देवता में अविश्वास उत्पन्न हो सकता है। यह ग्रह जीवन में विकास और समृद्धि के मार्ग में बाधाएँ उत्पन्न करता है।

शुक्र, प्रेम, वैवाहिक जीवन और भौतिक सुखों का प्रतिनिधि ग्रह है। जब शुक्र अशुभ होता है तो यह जीवन साथी के सुख में बाधा, प्रेम में असफलता और भौतिक सुखों की कमी लाता है। नपुंसकता, मधुमेह, धातु और मूत्र संबंधी रोग भी इस समय उत्पन्न हो सकते हैं। अशुभ शुक्र व्यक्ति के सामाजिक और पारिवारिक जीवन में असंतोष और निराशा पैदा करता है।

स्कूली शिक्षा: ड्राप आउट दर में 16% की कमी

प्राइमरी एजुकेशन पर खर्च हो रहे 80 हजार करोड़ रुपये

नए शैक्षिक सत्र के 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ

एजेंसी । वाराणसी

योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी के शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय से प्रदेशव्यापी 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री या प्रमाणपत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्ति के संस्कार निर्माण और राष्ट्र के विकास का आधार है। उन्होंने यह भी बताया कि बजट में कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के विस्तार के साथ श्रमिकों और निराश्रित बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं।

जिम्मेदारियों का निर्वहन करें शिक्षक

तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए आंगनबाड़ी केंद्रों में 'बाल वाटिका' विकसित करने का कार्य भी प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भूमिका को महत्व'पूर्ण बताते हुए कहा कि यदि वे अपनी जिम्मेदारियों का समुचित निर्वहन करें, तो शिक्षा व्यवस्था के परिणाम और बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए बताया कि 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत 1.36 लाख से अधिक विद्यालयों में बुनियादी सुविधाएं विकसित की गई हैं, जबकि 'निपुण' पहल से बच्चों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रति रुचि और समझ बढ़ी है। उन्होंने पूर्व की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले कई विद्यालय जर्जर हालत में थे और छात्र संख्या घट रही थी। इस पर उन्होंने जोर दिया कि बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़ाना शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

ड्राप आउट दर शून्य करने का लक्ष्य

उन्होंने पूर्व की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 से पहले कई विद्यालय जर्जर हालत में थे और छात्र संख्या घट रही थी। इस पर उन्होंने जोर दिया कि बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़ाना शिक्षकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही सामाजिक और आर्थिक समानता सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने बताया कि राज्य में स्कूली शिक्षा पर 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा रहे हैं और ड्रॉपआउट दर 19 प्रतिशत से घटकर लगभग 3 प्रतिशत तक आ गई है, जिसे आगे शून्य करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे घर-घर संपर्क कर अधिकतम नामांकन करें।

घर-घर जाकर सुनिश्चित कराएं नामांकन

उन्होंने बताया कि अभियान का पहला चरण 15 अप्रैल तक और दूसरा चरण 1 से 15 जुलाई तक संचालित होगा। इस अवसर पर निपुण विद्यालयों, मेधावी छात्रों और नवप्रवेशी बच्चों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद 1 जुलाई को 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ किया गया था। उससे पहले जब मैं अलग-अलग जनपदों में गया तो बेसिक शिक्षा विभाग के जर्जर भवनों, बंदी के कगार पर पहुंचे विद्यालयों की स्थिति देखी। एक जनपद के विद्यालय के प्रधानाचार्य ने बताया कि बच्चों की संख्या लगातार कम हो रही है।

UP में आंधी-पानी ने चौपट की खेती, महिला की मौत

आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि से व्यापक असर

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश के कई जिलों में शनिवार देर शाम अचानक बदले मौसम ने व्यापक असर डाला। लखनऊ समेत आसपास के क्षेत्रों में तेज आंधी, गरज-चमक के साथ बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन प्रभावित हो गया। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मौसम विभाग के अनुसार, इस बदलाव की मुख्य वजह पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता है। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह तक मौसम सामान्य था, लेकिन दोपहर बाद अचानक बादल छाने लगे और तेज हवाएं चलने लगीं।

कई जिलों में बिजली आपूर्ति प्रभावित

वाराणसी, बुंदेलखंड और अन्य जिलों में भी पेड़ गिरने, मकानों को नुकसान और बिजली बाधित होने की घटनाएं सामने आई हैं। बरसात का कृषि क्षेत्र पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। गेहूं की तैयार फसल और अन्य रबी फसलों को तेज हवा और ओलों से नुकसान पहुंचने की खबरें हैं।

कानपुर में आटो पर गिरा पेड़, मौत

आंधी-बारिश के चलते कई जिलों में दुर्घटनाएं भी हुईं। कानपुर के काकादेव क्षेत्र में कुलवंती अस्पताल के पास सड़क से गुजर रहे एक ऑटो पर पेड़ गिरने से गंभीर हादसा हुआ। इस घटना में 62 वर्षीय जमुना देवी की मौके पर ही मृत्यु हो गई, जबकि उनकी बेटी ज्योत्सना गंभीर रूप से घायल हो गईं।

खनिज से मिला 16,625 करोड़ का राजस्व

छत्तीसगढ़ में खनिज राजस्व में 14% की बढ़ोत्तरी

एजेंसी । रायपुर

छत्तीसगढ़ में खनिज क्षेत्र से राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान राज्य को 16,625 करोड़ रुपये का खनिज राजस्व प्राप्त हुआ, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 98 प्रतिशत है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, यह उपलब्धि पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और प्रभावी प्रबंधन प्रणाली के संयुक्त प्रयासों का परिणाम मानी जा रही है।

डिजिटल प्लेटफार्म से जोड़ने की तैयारी

खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद ने बताया कि इस वृद्धि में बेहतर निगरानी तंत्र और संसाधनों के कुशल प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विशेष रूप से एनएमडीसी सहित सार्वजनिक उपक्रमों के लिए डिस्पैच रूट्स के अनुकूलन से परिवहन और आपूर्ति प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित हुई है। इसके अलावा, 'खनिज 2.0' जैसे आईटी-आधारित प्लेटफॉर्म के उपयोग से खनन गतिविधियों में पारदर्शिता, निगरानी और संचालन दक्षता में सुधार हुआ है। सरकार अब गौण खनिजों को भी इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ने की दिशा में कार्य कर रही है, जिससे संपूर्ण खनन व्यवस्था को एकीकृत और डिजिटल बनाया जा सके।

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ने दिखाई मजबूती: एस. जयशंकर

आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में बोले विदेश मंत्री

एजेंसी । रायपुर

भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर के 15वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि हाल के वैश्विक झटकों के बावजूद भारत ने अपनी आर्थिक और नीतिगत मजबूती का परिचय दिया है।

552 होनहारों को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में कुल 552 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गईं, जिनमें एमबीए के 314, एग्जीक्यूटिव एमबीए के 230 और 8 शोधार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने स्नातक छात्रों को संबोधित सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

निर्णायक चरण में विकास यात्रा

उन्होंने कहा कि वर्तमान पीढ़ी को तकनीक, सूचना और वैश्विक अवसरों तक अभूतपूर्व पहुंच प्राप्त है, जो उन्हें पूर्ववर्ती पीढ़ियों की तुलना में अधिक सक्षम बनाती है। उनके अनुसार, भारत की विकास यात्रा अब निर्णायक चरण में है और युवाओं की भूमिका इसमें केंद्रीय होगी। समारोह के अंत में शिवांग छिक्कारा, शालिनी दुबे और बोबन चाको समेत मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

नहीं बेच सकते नाबालिगों की संपत्तिः कोर्ट

एजेंसी । प्रयागराज

न्यायालय ने पैतृक संपत्ति में नाबालिग बच्चों के हिस्से को बेचने की अनुमति देने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि केवल राजस्व अभिलेख (खसरा) में नाम दर्ज होने से स्वामित्व स्थापित नहीं माना जा सकता। यह आदेश अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अशोक कुमार सिंह ने पारित किया। मामले में करेली निवासी सैय्यद मजहर अली रिजवी ने गुरु तेग बहादुर नगर स्थित को बेचने की अनुमति मांगी थी।

खेत में गिरा 10 फीट लंबा मानवरहित ड्रोन

एजेंसी । इटावा

जिले के नंदपुर गांव में शुक्रवार शाम ड्रोन प्रशिक्षण के दौरान एक बड़ा हादसा टल गया, जब तकनीकी खराबी के कारण एक मानवरहित ड्रोन अनियंत्रित होकर खेत में जा गिरा। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई, हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। प्रशासनिक जानकारी के अनुसार, सैफई हवाई पट्टी पर एक निजी कंपनी द्वारा ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा था। स्थानीय लोगों ने प्रारंभ में ड्रोन को लेकर विभिन्न आशंकाएं व्यक्त कीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि यह प्रशिक्षण के दौरान उड़ाया जा रहा उपकरण था। प्रशासन की ओर से उपजिलाधिकारी सिद्धार्थ चौधरी ने बताया कि संबंधित कंपनी को विधिवत अनुमति दी गई थी और प्रारंभिक जांच में तकनीकी कारणों से ड्रोन के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है।

टीजीटी भर्ती में टीईटी अनिवार्य पात्रता

इलाहाबाद हाईकोर्ट का अहम निर्देश, कहा- परीक्षा पास करना जरूरी

एजेंसी । प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में टीजीटी/एलटी ग्रेड शिक्षकों की नई भर्तियों को लेकर महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि अब इन भर्तियों में शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य योग्यता के रूप में शामिल किया जाएगा। न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश जय हिंद यादव एवं अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

सर्टिफिकिट आफ टीचिंग कैडर खत्म

याचिकाकर्ताओं ने 28 जुलाई 2025 को जारी एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती विज्ञापन को चुनौती दी थी। उनका कहना था कि यह भर्ती शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। याचियों की ओर से अधिवक्ता संजय कुमार यादव ने तर्क दिया कि विज्ञापन में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि भर्ती किन कक्षाओं के लिए है और किस कैडर के अंतर्गत की जा रही है। ऐसे में टीईटी योग्यता आवश्यक हो जाती है। अदालत ने इस तथ्य को भी महत्वपूर्ण माना कि प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे विद्यालय हैं।

कोडीन कांड: 25 हजार का इनामी CA शिवम गिरफ्तार

एजेंसी । कानपुर

कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी करने वाले गिरोह के सरगना फीलखाना निवासी विनोद अग्रवाल के 25 हजार रुपये के इनामी सीए बेटे शिवम अग्रवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने खुलासा करते हुए बताया कि अब तक दर्ज आठ मुकदमों में 11 आरोपी वांटेड थे, जिनमें यह छठी गिरफ्तारी है। गिरोह उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश तक कोडीन युक्त कफ सिरप की सप्लाई करता था।

जहरीली शराब कांड अब तक छह मौतें

एजेंसी । पूर्वी चंपारण

जिले के तुरकौलिया और रघुनाथपुर थाना क्षेत्रों में कथित जहरीली शराब पीने से हुई मौतों का आंकड़ा बढ़कर छह हो गया है। घटना के बाद एक दर्जन से अधिक लोग बीमार पड़े हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है और कुछ लोगों की आंखों की रोशनी प्रभावित होने की भी सूचना है। सभी घायलों का उपचार विभिन्न अस्पतालों में जारी है।

पुलिस ने नागा राय समेत कुल आठ कथित शराब कारोबारियों को हिरासत में लिया है और सप्लाई नेटवर्क की जांच तेज कर दी है। रघुनाथपुर और तुरकौलिया थानों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रमोद यादव की पत्नी सुगंति देवी की तहरीर पर भी मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

व्यापार जगत

जियो 14 अप्रैल तक लागू करे सभी बदलाव: ट्राई

टैरिफ पारदर्शिता को लेकर TRAI सख्त, रिलायंस जियो को प्रक्रिया सुधारने के निर्देश

कंपनी ने बंद कर दिया था एंट्री लेवल प्लान, सिर्फ जियो स्टोर्स पर थी उपलब्धता

एजेंसी । नई दिल्ली

दूरसंचार क्षेत्र के नियामक भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने टैरिफ प्लान की पारदर्शिता और समान उपलब्धता को लेकर रिलायंस जियो को निर्देश जारी किए हैं। प्राधिकरण ने कंपनी से कहा है कि वह 14 अप्रैल तक सभी आवश्यक बदलाव लागू करे।

टैरिफ में गड़बड़ी: TRAI की जांच में जियो पर सवाल

नियामक ने इसे पारदर्शिता के सिद्धांत के विपरीत बताते हुए निर्देश दिया कि सभी प्लान हर माध्यम पर एकरूपता के साथ उपलब्ध कराए जाएं। जांच अगस्त 2025 में शुरू हुई थी, जब कुछ एंट्री-लेवल प्रीपेड प्लान बंद किए जाने और सीमित माध्यमों पर उपलब्ध कराने की शिकायतें सामने आई थीं। समीक्षा में यह भी पाया गया कि कुछ स्पेशल टैरिफ वाउचर केवल चुनिंदा चैनलों के माध्यम से ही मिल रहे थे, जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा हो रही थी।

डेली एक जीबी का प्लान बंद

जियो ने डेली एक जीबी का प्लान बंद कर दिया। जांच में कंपनी ने बताया यह प्लान केवल रिटेल स्टोर्स के जरिए ही उपलब्ध हैं। इसी तरह 249 और 199 वाले स्पेशल टैरिफ वाउचर सिर्फ जियो स्टोर्स पर मिल रहे थे, जबकि 209 वाला प्लान केवल MyJio ऐप पर उपलब्ध था। ट्राई ने इसे नियमों के खिलाफ बताया और कहा कि इस तरह की सीमित उपलब्धता उपभोक्ताओं के लिए पारदर्शिता के सिद्धांत का उल्लंघन है।

सभी यूजर्स को लाभ देने का निर्देश

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने डिवाइस-आधारित टैरिफ योजनाओं पर भी आपत्ति जताई है। नियामक के अनुसार, जियोफोन और जियोभारत जैसे फीचर फोन के लिए बनाए गए विशेष रिचार्ज प्लान अन्य स्मार्टफोन उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं हैं, जो समानता के सिद्धांत के अनुरूप नहीं है। प्राधिकरण ने कंपनी को निर्देश दिया है कि ऐसे प्रतिबंध हटाकर योजनाओं को सभी उपयोगकर्ताओं के लिए समान रूप से उपलब्ध कराया जाए। ट्राई ने स्पष्ट किया कि वर्ष 2020 के प्रावधानों के तहत टेलीकॉम कंपनियों को न केवल अपने टैरिफ प्लान सार्वजनिक करने हैं।

भारत ने विदेशों में बेची 28 अरब डॉलर की दवा

भारत का दवा निर्यात के मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र ने वैश्विक चुनौतियों के बीच निर्यात के मोर्चे पर स्थिर प्रदर्शन दर्ज किया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में फरवरी तक देश का दवा निर्यात 28 अरब अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, अप्रैल से फरवरी की अवधि में कुल निर्यात 28.29 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग 5.6 प्रतिशत अधिक है।

130 अरब डॉलर पहुंच सकता है फार्मा उद्योग

उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत का कुल फार्मा निर्यात 30.47 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, जो उससे पूर्व वर्ष की तुलना में 9.4 प्रतिशत अधिक था।विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में लगभग 60 अरब डॉलर के आकार वाला भारतीय फार्मा उद्योग वर्ष 2030 तक बढ़कर करीब 130 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है ।

एचडीएफसी बैंक के ऋण में इजाफा

एजेंसी । नई दिल्ली

निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए जारी व्यावसायिक अपडेट में ऋण और जमा दोनों मोर्चों पर वृद्धि दर्ज की है। बैंक के कुल अग्रिम (लोन बुक) में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो 31 मार्च 2026 तक 29.60 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई। बैंक द्वारा शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, एक वर्ष पहले इसी अवधि में कुल अग्रिम 26.43 लाख करोड़ रुपये थे। इसी तरह, कुल जमा (डिपॉजिट) में 14.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

ईरान युद्धः भारत में पीईवीसी निवेश में गिरावट

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारत के निवेश परिदृश्य पर भी दिखाई देने लगा है। प्राइवेट इक्विटी (PE) और वेंचर कैपिटल (VC) निवेश में मार्च 2026 के दौरान उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। वेंचर इंटेलिजेंस की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2026 में पीई-वीसी निवेश घटकर 3.8 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले वर्ष के समान महीने के 4.7 अरब डॉलर की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत कम है। इस गिरावट के चलते कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल निवेश 9.10 अरब डॉलर रहा।

बड़ी डील्स की संख्या में आई कमी

रिपोर्ट के मुताबिक, बड़ी डील्स की संख्या में भी कमी आई है। 10 करोड़ डॉलर या उससे अधिक मूल्य के सौदों की संख्या इस वर्ष पहली तिमाही में घटकर 17 रह गई, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 29 ऐसी डील्स हुई थीं। विशेषज्ञों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक अनिश्चितता के कारण निवेशकों का रुझान कमजोर हुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता ने भी निवेश निर्णयों को प्रभावित किया है। तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में बाजार का भरोसा कमजोर पड़ा है।

मौजूदा हालातों में टूट रहा भरोसा

तारकेश्वर नाथ वैष्णव के अनुसार, मौजूदा परिस्थितियों में बाजार का भरोसा कमजोर पड़ा है, जिससे निवेशक बड़े सौदों से दूरी बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक वैश्विक स्तर पर अनिश्चितता बनी रहेगी, तब तक निवेश गतिविधियों में तेजी की संभावना सीमित रहेगी। विश्लेषकों का यह भी कहना है कि शेयर बाजार में गिरावट का असर कंपनियों के मूल्यांकन पर पड़ा है।

टीवीएस मोटर के वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने दिया इस्तीफा

एजेंसी । नई दिल्ली

टीवीएस मोटर के चेयरमैन एमेरिटस और टाटा समूह के सात ट्रस्टों के वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन ने शनिवार को 'बाई हीराबाई चैरिटेबल ट्रस्ट' से इस्तीफा दे दिया। आधिकारिक तौर पर उन्होंने अपनी अन्य व्यावसायिक जिम्मेदारियों और व्यस्तताओं का हवाला दिया है। हालांकि, यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब पूर्व ट्रस्टी मेहली मिस्त्री ने श्रीनिवासन और एक अन्य ट्रस्टी विजय सिंह की बोर्ड में रहने की योग्यता को लेकर कानूनी चुनौती पेश की है।

तेल टैंकर के चीन की तरफ मुड़ने का दावा फर्जीः सरकार

ईरान से तेल आयात को लेकर भुगतान में कोई बाधा नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ईरान से कच्चे तेल के आयात को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि भुगतान संबंधी किसी प्रकार की समस्या नहीं है। मंत्रालय के अनुसार भारतीय रिफाइनरियां ईरान सहित विभिन्न देशों से सामान्य रूप से कच्चे तेल की खरीद कर रही हैं। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी बयान में उन खबरों को तथ्यहीन बताया, जिनमें दावा किया गया था।

मार्ग बदलने का दावा गलत

ईरानी कच्चा तेल लेकर आ रहा एक टैंकर भारत के बजाय चीन की ओर मुड़ गया। मंत्रालय ने कहा कि ऐसे दावे तेल परिवहन उद्योग की सामान्य प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हैं, जहां परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर जहाज यात्रा के दौरान अपना गंतव्य बदल सकते हैं। स्पष्टीकरण में कहा गया कि यदि संबंधित खेप भारत आती, तो यह लगभग सात वर्षों में ईरान से आने वाली पहली कच्चे तेल की खेप होती। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि भुगतान में किसी प्रकार की बाधा के कारण टैंकर के मार्ग बदलने का दावा पूरी तरह गलत है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार भारत 40 से अधिक देशों से कच्चे तेल का आयात करता है और तेल कंपनियों को विभिन्न स्रोतों से खरीद का पूर्ण व्यावसायिक लचीलापन प्राप्त है। पश्चिम एशिया में आपूर्ति से जुड़ी चुनौतियों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित कर ली है।

44000 टन एलपीजी लाया जहाज

मंत्रालय ने यह भी जानकारी दी कि ईरान से लगभग 44 हजार टन एलपीजी लेकर आया एक जहाज 2 अप्रैल को मंगलौर पहुंचा, जहां फिलहाल माल उतारने की प्रक्रिया जारी है। सरकार का कहना है कि अफवाहों पर न जाएं। आने वाले महीनों के लिए भारत की कच्चे तेल की आवश्यकताएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और सप्लाई को लेकर कोई चिंता की बात नहीं है। जहाजों पर नजर रखने वाली फर्म 'केपलर' ने शुक्रवार को कहा था कि 2002 द्वारा 'पिंग शुन' अब गुजरात के वाडिनार के बजाय चीन के डोंगयिंग को अपना गंतव्य बता रहा है।

चेन्नई सुपरकिंग्स को खाता खुलने का इंतजार

- 35 मैच दोनों टीमों ने अब तक आपस में खेले
- 21 चेन्नई ने और 13 बेंगलुरु ने जीते, एक ड्रॉ

एजेंसी। बेंगलुरु

लगातार दो मैच में हार झेलने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल के इस सत्र में पहली जीत का इंतजार है। उसे रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करना है। इस मुकाबले में बेंलरु की टीम लगातार दूसरी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

सैमसन की चिंता

सीएसके के लिए संजू सैमसन की फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का कमजोर होना चिंता का विषय है। सैमसन अभी तक फॉर्म में नहीं आए हैं। टी-20 विश्व कप में भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले सैमसन अभी तक दो मैच में छह और सात रन ही बना पाए हैं।

बेंगलुरु को कोहली का साथ

दूसरी ओर, आरसीबी की टीम सनराइजर्स हैदराबाद पर छह विकेट से जीत दर्ज करने के बाद काफी आराम कर चुकी है और वह तरोताजा होकर उतरेगी। मानसिक और शारीरिक ताजगी के अलावा आरसीबी प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में बेहतर टीम नजर आ रही है। उसके पास विराट कोहली की अगुआई में शीर्ष क्रम में दमदार बल्लेबाज हैं। देवदत्त पडिक्कल ने सनराइजर्स के खिलाफ 26 गेंद पर 61 रन की तूफानी पारी से सबको सावधान कर दिया है। रजत पाटीदार टीम की कप्तानी करने और आरसीबी के मध्य क्रम को मजबूती देने की दोहरी भूमिका अच्छी तरह से निभा रहे हैं। स्पिनर नूर अहमद और राहुल चाहर पंजाब किंग्स के खिलाफ फ्लॉप रहे। दोनों ने मिलकर आठ ओवरों में 84 रन लुटाए। तेज गेंदबाज मैट हेनरी, खलील अहमद और अंशुल कंबोज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

आरसीबी में गेंदबाजी में बहुत सुधार किया

आरसीबी में गेंदबाजी में बहुत सुधार किया है। टीम को जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से काफी नुकसान होने की उम्मीद थी, लेकिन जैकब डफी ने तीन विकेट लेकर सनराइजर्स के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर उनकी कमी महसूस नहीं होने दी। टीम इस मैच के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव को टीम में शामिल करने पर भी विचार कर सकती है।क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा टी20 के दिग्गज स्पिनरों में शामिल नहीं हैं, लेकिन उन्होंने बीच ओवरों में अपनी कसी हुई गेंदबाजी से आरसीबी का उद्देश्य बखूबी पूरा किया है। उन्हें अब शिवम दुबे, सरफराज खान और आयुष म्हात्रे जैसे बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। चेन्नई को अगर मजबूती के साथ आगे बढ़ना है तो सैमसन को जल्द लय हासिल करनी होगी।चेन्नई के गेंदबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। उन्होंने पहले दो मैचों में 30.5 ओवर में सिर्फ सात विकेट लेकर 338 रन लुटा दिए।

लखनऊ को पहली जीत के लिए दिखाना होगा दम

- 06 मैच दोनों टीमों ने अब तक आपसे में खेले हैं
- 04 लखनऊ ने जब दो हैदराबाद की टीम ने जीते
- 05 मैच में बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती

एजेंसी। हैदराबाद

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को रविवार को मेजबान सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करना है। इस मैच में अगर उसे अपना खाता खोलना है तो उसके बल्लेबाजों को अहम भूमिका निभानी पड़ेगी। हालांकि आंकड़ों में लखनऊ का पलड़ा भारी है।

मेहमान गेंदबाज मजबूत

गेंदबाजी एलएसजी का मजबूत पक्ष है। पिछले मैच में मोहम्मद शमी ने युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव के साथ नई गेंद से पुराने दिनों की याद दिला दी, लेकिन बीच के ओवरों में उसके गेंदबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। इससे पिछले सत्र में 14 विकेट लेने वाले स्पिनर दिग्वेश राठी को टीम से बाहर रखने पर सवाल उठने लग गए हैं।सनराइजर्स ने मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हार के बाद लय हासिल कर ली है। केकेआर के खिलाफ उसके बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे ईशान किशन ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि हेनरिक क्लासेन का अनुभव उसके मध्य क्रम को मजबूती प्रदान करता है।

पिछला मैच जीता

सनराइजर्स ने पिछले मैच में कोलकाता को 65 रन से हराया था। अब वह घरेलू मैदान पर सत्र के पहले मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेगी। पिच से बल्लेबाजों को मदद मिलने की उम्मीद है। सनराइजर्स को यहां की परिस्थितियां पसंद हैं इसलिए वह प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगा।पहले दो सत्र में प्लेऑफ में जगह बनाने के बावजूद एलएसजी की टीम कुछ वर्षों से खराब प्रदर्शन कर रही है। जस्टिन लैंगर की कोचिंग वाली टीम में ऑस्ट्रेलिया के टी-20 कप्तान मिचेल मार्श, दक्षिण अफ्रीका के एडेन मार्करम, कप्तान ऋषभ पंत और विस्फोटक निकोलस पूरन जैसे दमदार बल्लेबाज हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

रोनाल्डो के डबल से अल नरु का अभियान जारी

रियाद। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक महीने की चोट के बाद शानदार वापसी की। उनके दो गोल की मदद से अल-नस्र ने सऊदी प्रो लीग में सबसे नीचे चल रही टीम अल-नजमा को 5-2 से हरा दिया। 41 साल के पुर्तगाली फॉरवर्ड ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जिससे इस सत्र में उनके कुल गोलों की संख्या 23 हो गई। अल-नस्र की लगातार 13वीं लीग जीत ने तालिका में शीर्ष पर उसकी बढ़त को दूसरे स्थान पर काबिज अल-हिलाल से छह अंक तक बढ़ा दिया है। टीम अब तक 27 मैच में 23 जीत और तीन हार और एक ड्रॉ से 70 अंक के साथ शीर्ष पर है। रोनाल्डो को फरवरी के आखिर में हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। पिछले महीने चोट के ज्यादा गंभीर होने का पता चलने पर वह इलाज के लिए स्पेन चले गए थे।

अय्यर पर धीमी ओवर गति में 24 लाख का जुर्माना

चेन्नई। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल के बयान के अनुसार, पंजाब किंग्स का न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत इस सत्र का यह दूसरा अपराध था, इसलिए अय्यर पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। इंपैक्ट प्लेयर सहित अंतिम एकादश में शामिल खिलाड़ियों पर छह लाख रुपये या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो भी कम हो, का जुर्माना लगाया गया है।

कमिंस पीठ की चोट की जांच के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटे

एजेंसी। हैदराबाद

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट की अंतिम जांच (स्कैन) के लिए ऑस्ट्रेलिया लौट गए हैं। यह स्कैन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की चिकित्सीय टीम द्वारा किया जाएगा। इसके बाद ही उन्हें आईपीएल के दूसरे चरण में खेलने की मंजूरी मिलेगी। ईएसपीएन क्रिकइंफो के अनुसार, कमिंस जुलाई 2025 से मैदान से बाहर हैं। इस दौरान वह एक एशेज टेस्ट ही खेल पाए हैं।

वह गुरुवार को हैदराबाद के कोलकाता के खिलाफ हुए मैच के बाद भारत से रवाना हुए। अगर सीए उन्हें अनुमति दे देता है तो वह 17 अप्रैल को फिर टीम से जुड़ सकते हैं। कमिंस टीम के नेट सत्र में गेंदबाजी कर रहे थे क्योंकि यह 'रिटर्न टू प्ले' (खेल में वापसी करने के) प्रोटोकॉल का हिस्सा है। कमिंस और सीए ने हमेशा कहा कि यह तेज गेंदबाज टूर्नामेंट के दूसरे हिस्से में उपलब्ध रहेगा। उनकी अनुपस्थिति में ईशान किशन को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई है।

पूर्व कप्तान यूनिस खान बनेंगे पाक के घरेलू क्रिकेट निदेशक

एजेंसी। कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पूर्व कप्तान और देश के सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी यूनिस खान को घरेलू क्रिकेट विभाग का प्रमुख बनाने पर विचार कर रहा है। एक सूत्र ने बताया कि पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी ऐसा करने के इच्छुक हैं। सूत्र ने कहा, खुर्रम नियाजी फिलहाल घरेलू विभाग के प्रमुख हैं लेकिन उनका तबादला इस्लामाबाद कर दिया गया है। यही वजह है कि बोर्ड यूनिस को घरेलू क्रिकेट के निदेशक का पद पर नियुक्त करने का इच्छुक है।

नकवी चाहते हैं कि घरेलू क्रिकेट से जुड़े मामलों का प्रबंधन कोई अनुभवी क्रिकेटर करे क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट में यह विषय हमेशा से ही चर्चा का केंद्र रहा है। 48 वर्षीय यूनिस ने 118 टेस्ट और 265 वनडे मैच में 10,000 से अधिक टेस्ट रन बनाए हैं।

चैन सिंह और अंजुम करेंगे निशानेबाजी टीम की अगुआई

एजेंसी। ग्रेनाडा

रविवार से शुरू होने वाले निशानेबाजी विश्व कप में 18 सदस्यीय भारतीय टीम अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मैदान में उतरेगी। टीम की अगुआई ओलंपियन चैन सिंह और अंजुम मौद्गिल करेंगे। राइफल और पिस्टल स्पर्धाओं के लिए चुनी गई इस टीम में कई अनुभवी निशानेबाज शामिल हैं, हालांकि कुछ बड़े नाम इस बार टीम का हिस्सा नहीं हैं। इस विश्व कप के लिए पेरिस ओलंपिक 2024 की पदक विजेता मनु भाकर, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले को टीम में शामिल नहीं किया गया है।

राइफल स्पर्धाओं में मजबूत दावेदारी

रियो ओलंपियन चैन सिंह पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस स्पर्धा में पूर्व एशियाई चैंपियन अखिल श्योराण के साथ भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगे। वहीं दो बार की ओलंपियन और सात विश्व कप पदक जीत चुकी अंजुम मौद्गिल महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में भारत की उम्मीदों का केंद्र होंगी।

पिस्टल इवेंट में युवा और अनुभव का मिश्रण

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में मौजूदा एशियाई खेल चैंपियन पलक गुलिया उतरेंगी, जबकि रिदम सांगवान 10 मीटर और 25 मीटर दोनों स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगी। पुरुष वर्ग में वरुण तोमर 10 मीटर एयर पिस्टल और विजयवीर सिद्धू 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में चुनौती पेश करेंगे। पूर्व एशियाई चैंपियन मेहुली घोष 10 मीटर एयर राइफल और 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस दोनों में पदक की दावेदार होंगी। वहीं राष्ट्रीय चैंपियन किरण अंकुश जाधव अपने पहले विश्व कप पदक की तलाश में 10 मीटर एयर राइफल टीम की अगुआई करेंगे।

बॉलीवुड

एक्शन से भरपूर 'डकैत' ट्रेलर रिलीज

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डकैत' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसमें एक्शन व थ्रिलर का दमदार मिश्रण देखने को मिल रहा है। इससे पहले फिल्म का गाना 'टच बडी' भी रिलीज हुआ था, जिसे पवन सिंह और जोनिता गांधी ने गाया है और इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। निर्देशक शेनिल देव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनुराग कश्यप और प्रकाश राज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 19 मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन मेकर्स ने बेहतर स्क्रीन स्पेस और दर्शकों का ध्यान पाने के लिए रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला किया। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया गया है। करीब 2 मिनट 23 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत एक रोमांटिक दृश्य से होती है, जिसमें अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर एक खुशहाल भविष्य की योजना बनाते नजर आते हैं। लेकिन कहानी में अचानक ट्विस्ट आता है और अदिवि शेष का किरदार जेल पहुंच जाता है, जिससे दोनों के रिश्ते में दरार आ जाती है। इसके बाद कहानी एक रहस्यमयी और भावनात्मक मोड़ लेती है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

परिणीति ने सुनाया मां बनने का अनुभव

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा जल्द ही जी5 के टॉक शो मॉम्स टॉक को होस्ट करती नजर आएंगी। शो के अनाउंसमेंट के दौरान उन्होंने मां बनने के अपने अनुभव, परिवार के सहयोग और समाज में प्रचलित सोच पर खुलकर बात की।

परिणीति ने कहा कि उनके इस सफर को आसान बनाने में उनके पति राघव चड्ढा और परिवार का बड़ा योगदान रहा, जिससे उन्हें कभी अकेलापन महसूस नहीं हुआ। इवेंट में उन्होंने कामकाजी मांओं की चुनौतियों पर भी बात की और कहा कि कई महिलाओं को परिवार और पति का साथ नहीं मिल पाता, जो दुखद है। परिणीति के मुताबिक, मां बनने के सफर में सबसे जरूरी चीज 'सपोर्ट सिस्टम' है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर मां को सहयोग और समझ की जरूरत होती है, ताकि वह अपने बच्चे की बेहतर परवरिश कर सके। अपने शो के बारे में बताते हुए परिणीति ने कहा कि 'मॉम्स टॉक' के जरिए वे यह संदेश देना चाहती हैं कि बच्चे की परवरिश का कोई एक तय तरीका नहीं होता। उन्होंने कहा कि माता-पिता को समाज के दबाव से हटकर अपने तरीके से फैसले लेने चाहिए। हर एपिसोड में दर्शकों को अपनी जिंदगी से जुड़ी कहानियां और उनके समाधान देखने को मिलेंगे। परिणीति ने यह भी कहा कि माता-पिता को दोस्ताना रवैया रखते हुए अनुशासन बनाए रखना चाहिए, ताकि बच्चों का संतुलित विकास हो सके।

अनुराग कश्यप की 'देव-डी' दोबारा होगी रिलीज

अनुराग कश्यप की कल्ट क्लासिक फिल्म देव डी एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटने जा रही है। अभय देओल, कल्कि कोचलिन और माही गिल अभिनीत यह फिल्म 24 अप्रैल को चुनिंदा सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। 2009 में रिलीज हुई 'देव डी' ने अपने अनोखे ट्रीटमेंट और बोल्ड नैरेटिव के जरिए निर्देशक को बॉलीवुड में एक मजबूत पहचान दिलाई थी। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'देव डी' महज एक कहानी नहीं, बल्कि उस समय उनके भीतर के गुस्से और सिस्टम के खिलाफ एक विद्रोह का परिणाम थी। उनका उद्देश्य पारंपरिक 'देवदास' की छवि को तोड़ना और उसकी स्त्री-विरोधी सोच को चुनौती देना था। फिल्म में पारो और चंदा जैसे किरदारों को आधुनिक दृष्टिकोण के साथ पेश किया गया, जहां वे मजबूत और आत्मनिर्भर नजर आती हैं। अनुराग ने कहा कि वह दर्शकों को सुकून देने के बजाय असहज करना चाहते थे, ताकि वे माफी और जिम्मेदारी जैसे विषयों पर सोचें। उन्होंने फिल्म के अंत को भी जानबूझकर पारंपरिक सुखांत से अलग रखा। 'देव डी' दरअसल शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास 'देवदास' का आधुनिक रूपांतरण है, जिसमें अभय देओल, माही गिल और कल्कि कोचलिन ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म की री-रिलीज को लेकर अनुराग कश्यप काफी उत्साहित हैं और उन्हें उम्मीद है कि नई पीढ़ी इस फिल्म और इसके संगीत को नए नजरिए से अपनाएगी। 'देव डी' आज भी अपने अलग अंदाज और दमदार कहानी के लिए सिनेमा प्रेमियों के बीच खास जगह रखती है।

'रामायण' में रणबीर कपूर का डबल रोल

रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों में उत्सुकता लगातार बढ़ती जा रही है। हाल ही में जारी टीजर के बाद अब रणबीर कपूर ने बड़ा खुलासा करते हुए पुष्टि की है कि वह फिल्म में डबल रोल निभाते नजर आएंगे। अभिनेता न केवल भगवान राम की भूमिका में दिखेंगे, बल्कि भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम का किरदार भी निभाएंगे। रणबीर कपूर ने इस दोहरी भूमिका को अपने करियर का एक शानदार अवसर बताया है। उन्होंने कहा कि परशुराम और राम, दोनों ही आध्यात्मिक और भावनात्मक रूप से गहरे किरदार हैं, जिन्हें समझना एक अभिनेता के लिए चुनौतीपूर्ण है। रणबीर के मुताबिक, इन किरदारों की मूल भावना, उनके सिद्धांत और उद्देश्य को समझना अभिनय की सबसे अहम प्रक्रिया रही। टीजर में भी इस डबल रोल की झलक देखने को मिली थी, जहां भगवान राम के रूप में रणबीर को एक सुनहरे फरसे को पकड़ते हुए दिखाया गया, जो परशुराम का प्रतीक माना जाता है। हालांकि उस समय चेहरा स्पष्ट नहीं किया गया था, लेकिन अब अभिनेता ने इन अटकलों पर मुहर लगा दी है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में यश रावण, साई पल्लवी सीता और सनी देओल हनुमान के किरदार में नजर आएंगे। यह मेगा बजट फिल्म दिवाली 2026 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वॉर ब्रीफ

ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में इजरायली जहाज पर किया हमला

तेहरान। ईरान ने शनिवार को दावा किया है कि उसने होर्मुज स्ट्रेट में इजरायली जहाज पर हमला किया है। ड्रोन से हुए इस हमले के बाद जहाज पर आग लग गई। ईरान के रिवॉल्यूशनरी गार्ड नेवी के एक कमांडर ने हमले की बात कही है। हालांकि, अभी तक इजरायल की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। ईरानी हमले से पूरे मिडिल ईस्ट में तनाव और बढ़ गया है। गाड़्‌र्स ने बताया कि उन्होंने बहरीन के खलीफा बिन सलमान बंदरगाह पर एक कमर्शियल जहाज, 'MSC Ishyka' को निशाना बनाया। यह जहाज इजरायली शासन के मालिकाना हक वाला था और उस पर किसी तीसरे देश का झंडा लगा हुआ था।र गाड़्‌र्स की नौसेना ने इससे पहले एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा था कि जहाज पर हमला होर्मुज स्ट्रेट में किया गया था।

12 हजार हमले के बाद भी ईरान की ताकत बरकरार

तेहरान। लगातार पांच हफ्तों से जारी अमेरिका और इजराइल के हमलों के बावजूद ईरान की सैन्य क्षमता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। अमेरिकी खुफिया आकलन, बताता है कि ईरान के करीब आधे मिसाइल लॉन्चर अब भी सुरक्षित हैं और उसके पास हजारों आत्मघाती ड्रोन मौजूद हैं। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, कुछ लॉन्चर ऐसे हैं जो हमलों के बाद जमीन के नीचे दब गए हैं या पहुंच से बाहर हो गए हैं, लेकिन नष्ट नहीं हुए। एक सूत्र का कहना है कि ईरान अब भी पूरे क्षेत्र में गंभीर नुकसान पहुंचाने की क्षमता रखता है। ड्रोन ताकत भी काफी हद तक बची हुई है। अनुमान है कि ईरान की लगभग आधी ड्रोन क्षमता अब भी सक्रिय है। इसके अलावा तटीय रक्षा के लिए इस्तेमाल होने वाली क्रूज मिसाइलें भी बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जो होर्मुज में जहाजों के लिए खतरा बनी हुई हैं। यह तस्वीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प और उनके प्रशासन के दावों से अलग है। ट्रम्प कई बार कह चुके हैं कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमता काफी हद तक खत्म कर दी गई है और उसके हथियार उत्पादन ठिकाने तबाह कर दिए गए हैं।

ईरान के पास 48 घंटे का वक्त, वरना कहर बरपेगा : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए शनिवार को कहा उसके पास समझौता करने या होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए 48 घंटे का समय है, वरना कहर बरपेगा। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, याद रखिए जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए 10 दिन का समय दिया था। समय खत्म हो रहा है। उन पर कहर टूटने में बस 48 घंटे बाकी हैं। बीते 27 मार्च को ट्रंप ने घोषणा की थी कि वह अगले 10 दिनों के लिए ईरानी ऊर्जा संयंत्रों पर किसी भी तरह के हमले को रोक रहे हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का फॉर्मूला

एजेंसी | तेहरान

ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अलग-अलग देशों के पोतों को रास्ता देने के लिए नई योजना बनाई है। इस योजना के तहत ईरान के साथ संबंधों के आधार पर पोतों को वहां से गुजरने की अनुमति दी जाएगी। ईरानी अधिकारियों के हवाले से जारी रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, सभी देशों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है- 'शत्रु', 'तटस्थ' और 'मित्र'। शत्रु देशों के पोतों को हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा, जबकि 'तटस्थ' देशों को वहां से गुजरने के लिए शुल्क देना होगा और मित्र देश बिना रोक-टोक होर्मुज से आवाजाही कर सकेंगे।

सूची उपलब्ध नहीं

ईरान ने अभी तक इन तीनों श्रेणियों के देशों की पूरी सूची उपलब्ध नहीं कराई है। हालांकि, अल जजीरा के अनुसार, फारस की खाड़ी के लगभग सभी अरब देशों को तटस्थ या शत्रु राष्ट्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ईरान की योजना के तहत, इन देशों को या तो भारी शुल्क देना होगा या होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने पर पूरी तरह से प्रतिबंध का सामना करना पड़ेगा।

- देशों को 'मित्र' और 'शत्रु' श्रेणियों में बांटा
- शत्रु देशों के पोत होर्मुज से नहीं गुजरेंगे
- तटस्थ देशों को देना होगा भारी रास्ता शुल्क

जरूरी सामान ले जाने वाले पोतों को होर्मुज से गुजरने की अनुमति

ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी ने शनिवार को जानकारी दी है कि ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से अपने बंदरगाहों तक जरूरी सामान ले जाने वाले पोतों की आवाजाही की अनुमति दे दी है। एक पत्र का जिक्र करते हुए यह जानकारी दी गई है। पत्र के अनुसार ईरानी बंदरगाहों की ओर जाने वाले पोत, जिनमें ओमान की खाड़ी में मौजूद पोत भी शामिल हैं, उन्हें जलडमरूमध्य से गुजरने के लिए अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा और स्थापित प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

ईरान पर हमले के बाद से होर्मुज लगभग बंद

बता दें कि 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल ने तेहरान सहित ईरान के कई ठिकानों पर हमले किये थे, जिससे जान-माल का नुकसान हुआ था। जवाब में ईरान ने इजरायली क्षेत्र और पश्चिमी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। बढ़ते तनाव के कारण होर्मुज ईरान ने जलडमरूमध्य की घेराबंदी कर दी है। यह जलमार्ग फारस की खाड़ी के देशों से दुनिया के बाजार तक तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है। इस स्थिति ने क्षेत्र में तेल उत्पादन और निर्यात के स्तर को भी प्रभावित किया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं।

होर्मुज से सुरक्षित पार हुआ भारत का एक और एलपीजी पोत

एजेंसी | नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और समुद्री नाकाबंदी के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। अधिकारियों के अनुसार, बड़ा गैस वाहक पोत 'ग्रीन सान्वी' शुक्रवार रात सुरक्षित रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार कर गया। यह पोत 46,650 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर भारत की ओर बढ़ रहा है, जो ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे पहले 28 मार्च को 'एमटी जग वसंत' नामक पोत 47,000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर गुजरात के जामनगर स्थित वाडिनार बंदरगाह पहुंच चुका है। युद्ध के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही लगभग ठप है, ऐसे में भारतीय पोतों का सुरक्षित निकलना देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

नौसेना सतर्क, कूटनीति जारी

सूत्रों के मुताबिक, भारतीय नौसेना के युद्धपोत किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए स्टैंडबाय पर तैनात हैं। केंद्र सरकार ईरानी अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है ताकि भारतीय जहाजों को सुरक्षित मार्ग मिल सके। शिपिंग मंत्रालय के अनुसार, फारस की खाड़ी में फिलहाल 18 भारतीय जहाज और करीब 485 नाविक मौजूद हैं, जिनकी सुरक्षा पर नजर रखी जा रही है।

बुशहर परमाणु प्लांट पर मिसाइल अटैक

अमेरिका इजरायल ने ईरान में कई अन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया

एजेंसी | तेहरान

ईरान के बुशहर में स्थित परमाणु संयंत्र के पास, पेट्रोकेमिकल हब सहित कई बुनियादी ढांचों पर शनिवार को अमेरिका और इजरायल ने बम बरसाए। हमलों में दो लोगों की मौत हुई है जबकि आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। बुशहर परमाणु संयंत्र के पास हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्लांट के पास एक प्रोजेक्टाइल गिरा, जिससे वहां मौजूद

सुरक्षा कर्मी की जान चली गई। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि ईरान ने बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के परिसर के पास प्रोजेक्टाइल (मिसाइल या गोला) गिरने की सूचना दी है। आईएईए ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में बताया कि साइट के भौतिक सुरक्षा कर्मचारियों में से एक सदस्य की मौत गोले के टुकड़ों की चपेट में आने से हो गई। इसके अलावा, धमाके की लहरों और मलबे से साइट पर स्थित एक इमारत भी प्रभावित हुई है।

रेडिएशन लीक नहीं

हालांकि हमले की वजह से परमाणु संयंत्र से रेडिएशन लीक की सूचना नहीं मिली है। आईएईए ने कहा कि रेडिएशन के स्तर में बढ़ोतरी नहीं हुई है। ईरान की तसनीम समाचार एजेंसी ने जानकारी दी थी कि इस घटना से संयंत्र के मुख्य हिस्सों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है और उत्पादन अप्रभावित रहा। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को ईरान-इराक सीमा पर व्यापार टर्मिनल पर अमेरिका और इजरायल ने हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई।

भाजपा का प्रचार तेज

- मोदी, शाह, नवीन समेत सभी प्रमुख नेता जुटे
- सभी चुनावी राज्यों में केंद्रीय वरिष्ठ नेताओं के साथ मुख्यमंत्री भी उतरे
- असम व बंगाल में मिशन सरकार तो दक्षिण में बढानी है ताकत

एजेंसी | नई दिल्ली

पांच विधानसभाओं के चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपना पूरा दमखम झोंक दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता लगातार दौरे कर मतदाताओं को साधने में जुटे हैं। असम और पश्चिम बंगाल जैसे अहम राज्यों के साथ-साथ दक्षिण भारत के राज्यों में भी प्रचार अभियान तेज कर दिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी अभियान के केंद्र में

भाजपा के इस व्यापक चुनावी अभियान के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। वह असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पद्दुचेरि का दौरा कर चुके हैं और लगातार जनसभाओं, रोड शो और सम्मेलनों के जरिए पार्टी के पक्ष में माहौल बना रहे हैं।

शीर्ष नेतृत्व की लगातार सक्रियता

प्रधानमंत्री के साथ गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन और पूर्व अध्यक्ष जे.पी. नड्डा भी लगातार चुनावी मैदान में सक्रिय हैं। सभी नेताओं के कार्यक्रमों की विस्तृत योजना बनाई गई है ताकि हर क्षेत्र में प्रभावी प्रचार हो सके।

मुख्यमंत्रियों को भी सौंपी गई जिम्मेदारी

भाजपा ने अपने शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी प्रचार अभियान में उतार दिया है। उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, मध्य प्रदेश के मोहन यादव, राजस्थान के भजनलाल शर्मा, छत्तीसगढ़ के विष्णुदेव साय और दिल्ली की रेखा गुप्ता विभिन्न राज्यों में प्रचार कर रहे हैं।

कार्यक्रमों की व्यापक योजना तैयार

सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री के लगभग 30 चुनावी कार्यक्रम तय किए गए हैं, जिनमें रोड शो, जनसभाएं और सम्मेलन शामिल हैं। वहीं अमित शाह, नितिन नवीन, राजनाथ सिंह और जे.पी. नड्डा के 50 से अधिक कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई है।

रणनीतिक सीटों पर विशेष फोकस

पार्टी ने केंद्रीय मंत्रियों, पूर्व मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं को रणनीतिक सीटों और क्षेत्रों में तैनात किया है। हर उम्मीदवार की जरूरत और स्थानीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम तय किए जा रहे हैं, जिससे अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित हो सके।

दक्षिण भारत पर विशेष ध्यान

भाजपा दक्षिण भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए विशेष रणनीति के तहत काम कर रही है। तमिलनाडु, केरल और पद्दुचेरि में पार्टी ने अपने शीर्ष नेताओं को उतारकर चुनाव को गंभीरता से लिया है। पद्दुचेरि में भाजपा गठबंधन सरकार को बनाए रखने के लिए प्रयासरत है, जहां वह जूनियर पार्टनर है। वहीं तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन के बावजूद भाजपा पूरी ताकत से चुनाव लड़ रही है और सहयोगी दल को रणनीति में खुली छूट दी गई है।

केरल में भविष्य की जमीन तलाशने की कोशिश

केरल भाजपा के लिए राजनीतिक और वैचारिक रूप से महत्वपूर्ण राज्य है। यहां आरएसएस की सक्रियता के बावजूद पार्टी को अब तक बड़ी राजनीतिक सफलता नहीं मिली है। इस चुनाव में भाजपा सामाजिक समीकरणों को साधते हुए वोट प्रतिशत बढ़ाने और कुछ सीटें हासिल करने पर फोकस कर रही है।

असम और बंगाल में सत्ता की जंग

असम में भाजपा सत्ता में है और उसे बनाए रखने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा प्रमुख विपक्षी दल होने के साथ सत्ता परिवर्तन की दावेदार भी है, इसलिए इन दोनों राज्यों में अभियान सबसे ज्यादा तेज है।

म्यांमार सीमा पर चार उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास से चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये गिरफ्तारियां मोरेह थाना क्षेत्र के यांगौबंग गांव से की गईं। चारों उग्रवादी मणिपुर के ही रहने वाले हैं। इनमें से एक इम्फाल पूर्व, दूसरा इम्फाल पश्चिम, तीसरा थौबल और चौथा काकचिंग का निवासी है।इन उग्रवादियों की पहचान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सदस्य 25 वर्षीय कीशम सुमंत मैतेई, एनआरएफएम के सदस्य 32 वर्षीय अंगोम समरजीत सिंह और कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के सदस्य 26 वर्षीय युमनाम नोबा सिंह तथा खुन्द्रकपम श्यामसन मैतेई के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाश अभियान अभी जारी है।

केरल में सियासी भूचाल

- माकपा के बागी सुधाकरण ने राहुल गांधी संग साझा किया मंच
- सीएम विजयन को बताया 'छोटा नेता'

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

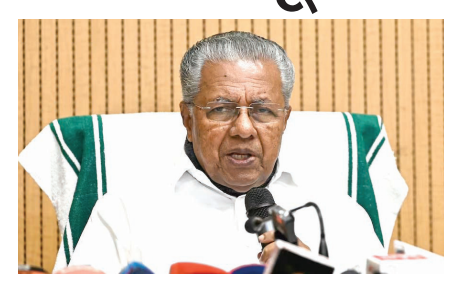

केरल की सियासत में इन दिनों वह हो रहा है जो फिल्मों में होता है! वामपंथ के सबसे मजबूत किलों में से एक अलप्पुझा में कुछ ऐसा हुआ है, जिसकी गूंज तिरुवनंतपुरम के सत्ता के गलियारों तक बहुत जोर से सुनाई दे रही है। दरअसल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआईएम) के कद्दावर नेता जी सुधाकरण ने बगावत की लाल झंडी उठा ली है। उन्होंने सीधे मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। हालांकि, इसमें अब तक की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि दशकों तक कम्युनिस्ट विचारधारा को जीने वाले सुधाकरण ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मंच साझा किया।

विजयन पर बरसे सुधाकरण

जी सुधाकरण ने कहा कि मैंने कम्युनिस्ट पार्टी में 63 साल गुजारे हैं। जब मैं 15 साल का था, तब पार्टी से जुड़ा था। मेरा अपना एक लंबा राजनीतिक इतिहास है। उन्होंने कहा कि 1967 के दौर में जब वह खुद जमीन पर काम कर रहे थे, तब विजयन को त्रावणकोर और दक्षिण केरल में कोई जानता तक नहीं था। वह सिर्फ मालाबार के थालास्सेरी तक ही सीमित थे।

राहुल गांधी ने किया स्वागत

राहुल गांधी ने इस मौके का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने मंच से सुधाकरण का गर्मजोशी से स्वागत किया। राहुल ने कहा कि आज वामपंथ अपनी विचारधारा खो चुका है और उसकी बुनियाद कमजोर हो गई है। यही वजह है कि सुधाकरण जैसे कद्दावर और सच्चे नेताओं को कांग्रेस और यूडीएफ के साथ आना पड़ रहा है। गौरतलब है कि 2021 के विधानसभा चुनाव में माकपा ने सुधाकरण को किनारे कर दिया था, जिसके बाद से वह शांत बैठे थे। लेकिन इस बार चुनाव से ठीक पहले उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। कांग्रेस की अगुवाई वाले गठबंधन यूडीएफ ने तुरंत उन्हें अपना समर्थन दे दिया, जिससे अलप्पुझा की लड़ाई अब बेहद रोमांचक हो गई है।

अंतरिक्ष यात्रियों के लिए इसरो ने शुरू किया मिशन मित्रा

नई दिल्ली। भारत में पहले मानव अंतरिक्ष मिशन गगनयान की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। इस बीच, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चालक दल की सुरक्षा एवं प्रदर्शन को सभी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशनों के सबसे महत्वपूर्ण तत्व मानते हुए मिशन मित्रा (मैपिंग ऑफ इंटरऑपरेबल ट्रेड्स एंड रिस्पांस असेसमेंट) शुरू किया है।यह अपनी तरह का पहला टीम के व्यवहार का अध्ययन है, जिसका उद्देश्य अत्यधिक ऊंचाई वाले वातावरण में काम करने वाले चालक दल और जमीनी टीमों की शारीरिक, मनोवैज्ञानिक एवं परिचालन संबंधी गतिशीलता का अध्ययन करना है। मित्रा भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान संचालन क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो चालक दल के प्रदर्शन और मानवीय कारकों पर उत्पन्न वैज्ञानिक डाटा गगनयान कार्यक्रम और भविष्य के दीर्घकालिक मिशनों में प्रत्यक्ष योगदान देगा।

थलपति विजय का 'मास्टरस्ट्रोक'

25 लाख का बीमा और 200 यूनिट मुफ्त बिजली का एलान

एजेंसी | पुदुचेरी

आगामी नौ अप्रैल को होने वाले पुदुचेरी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर टीवीके के प्रमुख विजय ने कांग्रेस-डीएमके गठबंधन को भ्रमित गठबंधन करार दिया। वहीं, विजय ने एनआर कांग्रेस-भाजपा गठबंधन को थका हुआ गठबंधन बताया। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही राष्ट्रीय दल केंद्र में वर्षों तक सत्ता

में रहने के बावजूद पुदुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने में विफल रहे हैं। पुदुचेरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विजय ने मतदाताओं से केंद्र शासित प्रदेश में पार्टी के सीटी चुनाव चिन्ह का समर्थन करने का आग्रह किया।

पुदुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने की हुंकार

विजय ने वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वे पुदुचेरी को उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से मुक्त करते हुए कानूनी रूप से पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए 100 प्रतिशत कोशिश करेंगे। अपनी पार्टी के उम्मीदवारों को जनता के साथ खड़े रहने वाले के रूप में पेश करते हुए विजय ने जन कल्याणकारी योजनाओं की एक सूची लोगों के सामने पेश की। उन्होंने आश्वासन दिया कि टीवीके के सत्ता में आने के छह महीने के भीतर स्थानीय निकाय चुनाव कराए जाएंगे।

हर झूठ का पर्दाफाश करूंगा: राघव चड्ढा

एजेंसी | नई दिल्ली

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी के नेताओं की ओर से लगाए गए आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ सुनियोजित अभियान चलाया गया है। 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट कर उन्होंने कहा कि एक ही झूठ को बार-बार बोला जा रहा है, लेकिन मैं हर झूठ का पर्दाफाश करूंगा। उन्होंने कहा कि घायल हूं, इसलिए घातक हूं। राघव चड्ढा ने कहा कि आम आदमी पार्टी नेताओं ने उन पर तीन आरोप लगाए हैं। इन तीनों का जवाब देना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा संसद में जनता से जुड़े मुद्दों को उठाया है। मैं वहां सरकार पर दबाव डालने के लिए हूं, हंगामा करने, माइक तोड़ने और कुर्सियां फेंकने के लिए नहीं।

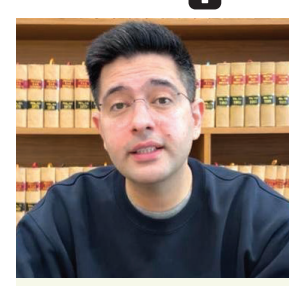

प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के आरोपों पर सफाई

मुख्य निर्वाचन आयुक्त से संबंधित प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार करने के एक अन्य आरोप को झूठा बताते हुए राघव चड्ढा ने कहा कि किसी भी पार्टी नेता ने औपचारिक या अनौपचारिक रूप से उनसे इस पर हस्ताक्षर करने के लिए नहीं कहा था। उनकी पार्टी के कई अन्य सांसदों ने भी इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

मतदान से पहले प्रिंट विज्ञापनों पर सख्ती

तिरुवनंतपुरम। निर्वाचन आयोग ने केरल विधानसभा चुनाव को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने स्पष्ट किया कि 8 और 9 अप्रैल को कोई भी राजनीतिक दल या उम्मीदवार बिना पूर्व अनुमति के प्रिंट मीडिया में विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकेगा। केरल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी रतन यू केलकर द्वारा जारी आदेश के मुताबिक सभी विज्ञापनों को पहले मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से प्री-सर्टिफिकेशन लेना अनिवार्य होगा। यह मंजूरी राज्य या जिला स्तर पर ली जा सकती है। निर्वाचन आयोग ने कहा कि चुनाव के अंतिम चरण में भ्रामक, आपत्तिजनक या भड़काऊ विज्ञापन पूरे चुनावी माहौल को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे समय में विरोधी पक्ष को जवाब देने का मौका भी नहीं मिल पाता, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर असर पड़ता है।

उम्मीदवार 8 और 9 अप्रैल को बिना पूर्व अनुमति के प्रिंट मीडिया में विज्ञापन प्रकाशित नहीं कर सकेगा